

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 22 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन शुक्ल पक्ष-12 ■ वर्ष -42 ■ अंक-203 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 23 अक्टूबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये



राष्ट्रपति मुर्मू ने जारी किया माता हासी देवी के सम्मान में स्मारक सिक्का

राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय भी रहे उपस्थित

रायपुर, 22 अक्टूब

.राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय उपस्थित थे। पूज्य शदाणी दरबार रायपुर की 5 वीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200 वीं जयंती पर भारत सरकार वित्त मंत्रालय द्वारा 200 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया गया है। सिंधी विभूति के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी होना समाज के लिए ऐतिहासिक मौका था।

यह देश-विदेश में रहने वाले करोड़ों सिंधी लोगों के लिए गर्व का विषय है। स्मारक सिक्के का अनावरण होने के बाद श्रद्धालु और सिक्का संग्राहक इसे शदाणी दरबार की अलग-अलग इकाइयों के माध्यम से बुक कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जारी इस विशेष सिक्के पर पूज्य माता हासी देवी जी की छवि अंकित है। सिक्के के एक ओर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और 200 रुपये का मूल्यवर्ग दर्शाया गया है। इस स्मारक सिक्के के माध्यम से उनके जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का



प्रयास किया गया है।कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन पूज्य शदाणी दरबार रायपुर के पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने दिया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री सुनील सोनी, श्री मोतीलाल साहू, मुख्य सचिव श्री विकासशील, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित वरिष्ठ अधिकारी, पूज्य शदाणी दरबार के सदस्य सहित देशभर से आए हुए जनप्रतिनिधि और सिंधी समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजधानी में राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंच चुकीं हैं। रायपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल रमेन डेका, मंत्री विजय शर्मा, मंत्री खुशवंत साहेब, मंत्री राजेश अग्रवाल, मंत्री ओपी चौधरी, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और सांसद विजय बघेल मौजूद रहे।

शाम 4 बजे राष्ट्रपति रायपुर के इंडोर स्टेडियम में नुआखाई पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राष्ट्रपति अपने दौरे के दूसरे दिन बस्तर प्रवास पर रहेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वे सुबह 11 बजे जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे मुरिया दरबार एवं बस्तर दशहरा के अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी।

राहुल गांधी की इल्हान उमर से मुलाकात पर निशिकांत दुबे ने उठाया सवाल

नई दिल्ली,22 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनकी विदेश यात्राओं, अमेरिकी सांसदों इल्हान उमर और रो खन्ना से कथित मुलाकातों को लेकर सवाल उठाए हैं। दुबे ने दावा किया कि राहुल गांधी पिछले 10 वर्षों में कम से कम 270 बार विदेश गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में पिछले 10-15 दिनों के दौरान हुए प्रदर्शनों से आम लोगों, व्यापारियों और छोटे कारोबारियों को परेशानी हुई। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शन स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के इस्तेमाल के तरीके पर भी आपत्ति जताई। निशिकांत दुबे ने गुरुवार को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली में पिछले 10-15 दिनों के दौरान ऐसा माहौल रहा, मानो कोई नियम-कानून लागू ही नहीं हो। उनके मुताबिक, राहुल गांधी के लंच या डिनर के लिए चले जाते थे बाकी लोग प्रदर्शन करते थे। उन्होंने कहा कि इन प्रदर्शनों से दिल्ली के आम नागरिकों, व्यापारियों, ऑटो चालकों, टेम्पो चालकों, रिक्शा चालकों और रेहड़ी-पटरी वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

BJP सांसद ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के दौरान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के इस्तेमाल पर सवाल उठाए। दुबे ने आरोप लगाया कि कुछ प्रदर्शनकारी तिरंगा लेकर पहुंचे और जिस तरीके से राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल किया गया, उससे उसकी गरिमा के प्रति सम्मान की कमी दिखाई दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश और संविधान से जुड़ा प्रतीक है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि राष्ट्रीय ध्वज



फहराने और उसके इस्तेमाल के लिए निर्धारित नियम और प्रोटोकॉल हैं।

निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, "विपक्ष के नेता पिछले दस साल, राहुल गांधी जी, वो कम से कम 270 बार विदेश गए हैं। एक-दो बार नहीं, 270 बार।"BJP सांसद ने सवाल किया कि राहुल गांधी इतनी बार विदेश क्यों जाते हैं और वहां किन लोगों से मुलाकात करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शनों के कारण युवाओं की भावनाएं भड़कती हैं और इसके बाद उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। दुबे ने अपने बयान में आशुतोष रांका, सौरभ दास का भी जिक्र किया और कहा कि वे जेल में थे। जबकि राहुल विदेश चले गए। निशिकांत दुबे ने अपने बयान में अमेरिकी सांसद इल्हान उमर और रो खन्ना का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी अमेरिका में इन दोनों सांसदों से लगातार मुलाकात करते रहे हैं। दुबे ने इन मुलाकातों को जॉर्ज सोरोस से जुड़े फाउंडेशन से जोड़ा। उन्होंने सवाल किया कि इन संपर्कों के पीछे क्या उद्देश्य है।

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई यात्री बस चालक की मौत, 15 से ज्यादा घायल

मनेन्द्रगढ़,22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ में आज एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में 15 से ज्यादा यात्री के घायल होने की खबर है और चालक की भी मौत की खबर है। यह हादसा केल्हारी थाना क्षेत्र में हुआ है। बताया जा रहा है कि बस मनेंद्रगढ़ से केल्हारी जा रहीं जा रहीं थी, जिसमें लगभग 30 यात्री सवार थे। सेमरमथानी मोड़ के पास बस अनियंत्रित हो गई और पेड़ से जा टकराई। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में बस चालक की मौत हो गई है और 15 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें से 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। इधर सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद आनन-फानन में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

दो युवकों पर चाकू से हमला, एक की मौत

धमतरी,22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के धमतरी से चाकूबाजी का एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक की मौत हो गई है और दूसरा घायल बताया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। यह घटना अर्जुनी थाना क्षेत्र में हुई है। मृतक की पहचान दीपांशु साहू के रूप में हुई है, जो कि मुजगहन का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि बुधवार रात मुजगहन के पास आपसी विवाद में आरोपी ने दीपांशु और उसके साथी पर चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी की इस घटना में दीपांशु गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान दीपांशु ने दम तोड़ दिया। वहीं उसका साथी घायल बताया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। फिलहाल आपसी विवाद में चाकूबाजी की बात सामने आई है।

साड़ी पहनकर एके-47 से हर्ष फायरिंग पुलिस मुख्यालय ने लिया संज्ञान

आईजी अजय यादव ने एसपी अंकिता शर्मा से मांगा स्पष्टीकरण

राजनांदगांव। विजयादशमी के अवसर पर राजनांदगांव पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन के दौरान एसपी अंकिता शर्मा द्वारा की गई हर्ष फायरिंग की पूरे देश में चर्चा है. जानकार विशेषज्ञों के 'लेडी सिंघम' की तकनीक पर सवाल उठाए जाने के बाद अब पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर राजनांदगांव रेंज आईजी अजय यादव ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है. बता दें कि अपनी सालों पुरानी परम्परा का निर्वहन करते हुए विजय दशमी के अवसर पर शहर के पुलिस लाइन स्थित रक्षित केन्द्र में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने तमाम आला अधिकारियों की मौजूदगी में शस्त्रों की पूजा संपन्न की थी. पुलिस ने हथियारों को रखकर बुराई के खात्में और लोगों की सुरक्षा की शक्ति देने शक्ति की देवी मां दुर्गा से कामना की। इस दौरान साड़ी पहनकर एसपी ने एके-47 से हर्ष फायरिंग की थी. राजनांदगांव रेंज आईजी अजय यादव ने बताया कि प्रकरण पुलिस मुख्यालय के साथ उनके संज्ञान में आया है. पुलिस मुख्यालय ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लिया है. परंपरागत रूप से पुलिस द्वारा सभी जिलों में विजयादशमी की पूजा की जाती है. राजनांदगांव एसपी द्वारा साड़ी पहनकर की गई हर्ष फायरिंग पर मीडिया में जो टिप्पणी हुई है, उस पर पुलिस मुख्यालय से स्पष्टीकरण मांगा गया है. पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस के शस्त्र नियम के अनुकूल नहीं होने और पुलिस की गरिमा को लेकर जो टिप्पणी हो रही है, उस पर पुलिस अधीक्षक का स्पष्टीकरण मांगा गया है, जिस पर उनके (आईजी) टीप के बाद पुलिस मुख्यालय को प्रकरण भेजा जाएगा, इसके बाद पुलिस मुख्यालय द्वारा जैसे निर्देशित किया जाएगा, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी.



अगले 30 साल आपका नंबर नहीं लगने वाला

नई दिल्ली,22 अक्टूबर। गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी की वियतनाम यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अगले तीन दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली लौटने पर राहुल समझ लें कि अगले तीस सालों तक उनकी बारी नहीं आएगी। वहीं, भाजपा ने विपक्षी प्रदर्शनों के बीच राहुल के विदेश दौरे के एजेंडे पर सवाल खड़े किए। ऐसे समय में जब राहुल गांधी विदेश यात्रा पर गए हुए हैं और कांग्रेस तथा उसके सहयोगी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञान कुमार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेता पर एक और निशाना साधा। उन्होंने भविष्यवाणी की कि कांग्रेस पार्टी अगले तीन दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। यमुना की सफाई के लिए 8,941 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद, शाह ने गांधी की विदेश यात्रा पर तंज कसा। बताया जा रहा है कि कांग्रेस सांसद चार दिन की यात्रा पर वियतनाम गए हैं। शाह ने कहा कि मुझे पता है कि आप मुझे सुन नहीं सकते, आप विदेश में कहीं बैठे हैं। आप यह भी नहीं



अमित शाह का राहुल गांधी को मैसेज

बताते कि क्यों, लेकिन कोई बात नहीं, यह आपकी निजी ज़िंदगी है... लेकिन जब आप दिल्ली लौटें, तो मेरी बात सुन लें; अगले तीस सालों तक आपकी बारी नहीं आएगी।

गांधी का वियतनाम जाना ऐसे समय में हुआ है जब 'इंडिया' गठबंधन और 'कॉकरोच जनता पार्टी' देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ये प्रदर्शन SIR प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और उनमें ज्ञानेश कुमार की कथित भूमिका को लेकर हो रहे हैं। हमेशा की तरह, बीजेपी ने उनके इस विदेश दौरे को लेकर उन पर तुरंत तंज कसा। भगवा पार्टी ने गांधी परिवार के सदस्य पर आरोप लगाया कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के दौरान "झूठ बोल-बोलकर" थक जाने के बाद वे छुट्टियां मनाने चले गए हैं। पार्टी ने एक्स पर एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे कथित तौर पर वियतनाम जाने वाली एक उड़ान में बैठे दिख रहे हैं। साथ ही, पार्टी ने सवाल किया, "राहुल गांधी के विदेशी दौरों का एजेंडा क्या है?

बीजेपी नेता संबित पात्रा ने गांधी पर सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे जॉर्ज सोरोस से क्लास लेने के लिए विदेश गए थे। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस नेता विदेश छुट्टियां मनाने गए थे या अपने अराजकता फैलाने वाले साथियों से मिलने। शाह ने बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर भी निशाना साधा।

इस्पात फैक्ट्री में चौकीदार को बंधक बनाकर लाखों के कापर वायर की चोरी

रायपुर,22 अक्टूबर। राजधानी के हीरापुर इलाके में बड़ी चोरी की घटना सामने आई है. अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में रात में घुसे चोर गिरोह ने चौकीदार को बंधक बनाकर लाखों की चोरी को अंजाम दिया है. मामला कबीर नगर थाना इलाके का है, जहां अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में रात करीबन डेढ़ बजे घुसे चोरों ने पहले चौकीदार को बांधकर बेदम पिटाई की, जिसके बाद करीब 800 किलो कॉपर वायर काटकर फरार हो गए. चोर कापर वायर के साथ फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे समेत डीवीआर भी लेकर फरार हो गए. चोरी किए गए वायर की कीमत करीब 10-12 लाख रुपए आंकी गई है.

प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा की फोटो प्रदर्शनी पर बवाल

नई दिल्ली,22 अक्टूबर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा की फोटो प्रदर्शनी पर बवाल मच गया है। दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित रेहान वाड्रा की फोटो प्रदर्शनी



से 70 से ज्यादा तस्वीरें हटा दी गईं है। इन फोटो में हाल ही में दिल्ली में सीईशी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों की तस्वीरें भी शामिल थीं। फोटो प्रदर्शनी से बेटे की फोटो हटाने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भड़क गईं। उन्होंने कहा कि वे देशभर के युवाओं की आवाज को दबा रहे हैं। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि वे किसी के साथ भी ऐसा करेंगे। जबकि रेहान ने कलाकारों को सेंसर करने का आरोप लगाया। हालांकि इस मामले में बीकानेर हाउस की ओर से कोई बयान नहीं आया है। दरअसल रेहान ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनकी सोलो एग्जीबिशन 'नो आइडिया इज फाइनल' शुरू होने से कुछ घंटे पहले तस्वीरें हटाई गईं। प्रदर्शनी में पहले 100 से ज्यादा तस्वीरें थीं। अब करीब 40 बची हैं। रेहान ने आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक माहौल का हवाला दिया गया। जबकि तस्वीरों में कोई राजनीतिक संदेश नहीं था। उन्होंने कहा- कलाकारों के काम को सेंसर किया जा रहा है। रेहान ने बताया कि बुधवार दोपहर 3:30 बजे उनसे कहा गया कि शाम 5 बजे तक तस्वीरें नहीं हटाईं तो प्रदर्शनी रद्द कर दी जाएगी। रेहान के मुताबिक, प्रशासन ने मौजूदा राजनीतिक माहौल का हवाला देकर उनकी तस्वीरों पर आपत्ति जताई। प्रदर्शनी का प्रस्ताव और लेआउट पहले ही प्रबंधन को दिया जा चुका था। उन्होंने कहा कि तस्वीरें पिछले छह महीनों में हुए प्रदर्शनों का दस्तावेज थीं। रेहान ने कहा- मुझे नहीं पता कि वे किससे डरे हुए हैं और तिरंगा की फोटो तक हटाने की हद तक चले गए, लेकिन मैं तिरंगे के फोटो नहीं हटाऊंगा। प्रदर्शनी रविवार तक तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी। बीकानेर हाउस प्रशासन के फैसले पर रेहान की मां और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने तस्वीरें हटाए जाने पर आपत्ति जताई।



कांग्रेस ने निकाली वोट चोरी रैली

रायपुर,22 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शर्मा को बर्खास्त कर गिरफतार करने की मांग को लेकर आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने राजधानी में सायकल यात्रा निकाली। जिला अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में गांधी प्रतिमा आजाद चौक रायपुर से बाईक एवं साइकिल रेली निकाली जिसमें कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रायपुर शहर जिला के ब्लाक अध्यक्ष,जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.यह रैली बाबू प्रतिमा आजाद चौक से प्रारम्भ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए अंबेडकर हास्पिटल में अम्बेडकर जी के प्रतिमा के सामने के समाप्त हुई। अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि लगातार मल्लिकार्जुन खड़गे जी राहुल गांधी जी , प्रियंका जी सड़क पर आ कर देश और हम सब की लड़ाई दिल्ली में लड रहे है और हम सब भी प्रयास कर रहे है की वोट चोरी , डकैती के ख़िलाफ़ लड़ाई में अपना योगदान दे ,कई विधानसभा, एवं लोकसभा के चुनाव में वोट चोरी, के माध्यम से सरकार बनवाने वाले ज्ञानेश कुमार की गिरफ़्तारी , लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता के अधिकारों की रक्षा तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करेंगी. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीकुमार शंकर मेनन, ,प्रमोद चौबे, प्रमोद दुबे, विकास उपाध्याय, पंकज शर्मा, आकाश शर्मा, शिव सिंह ठाकुर,सुंदर जोगी, राहुल इदुरीया,ममता राय, सचिन अग्रवाल, नंदकुमार पटेल, सुशांत डे,जसवीर ढिल्लन, नितिन ठाकुर,दिनेश ठाकुर, राकेश धोत्रे, गौरीशंकर पांडे,डॉ अनु राम साहू, सहदेव व्यवहार, प्रशांत ठेंगड़ी, उधोराम वर्मा,चंपालाल देवांगन, मनोज बंजारे, अविनय दुबे, संपत सिंह राजपूत, प्रवीण चंद्राकर,, ओमप्रकाश देवांगन, अभिषेक निर्मलकर, धनराज गुप्ता, मोहम्मद आशु,, प्रवाह नासरे, मनोज वैष्णव, नरेश साहू, टीकम सोनकर, विजय साहू, संजू मुकुटवर, सुनील ध्रुव, सुमन लाल ठाकुर, राजेश पांडे, पूनम पांडे, हरिशंकर बसवार, अभिषेक मिश्रा, शैलेश, मनोज सिंह, महादेव अग्रवाल, मुकेश कुकरेजा, प्रतीक तिवारी, पवन सिग इकराम अहमद, परमानंद साहू, रघुवीर सिंह बगल, सुशील कटियार, निशा शर्मा, अनिल सेन, विशाल राजानी, गवेश साहू, भोला विश्वकर्मा, धन सिंह यादव, जयपाल, आकाश नाग, ब्रह्मा सोनकर, महावीर देवांगन, रतन सोनी, शेख अनीश, अनीश मनिहार, आदि उपस्थित थे।

मुंबई का प्रदूषण देख भड़का हाईकोर्ट

मुंबई,22 अक्टूबर। मुंबई में बिगड़ती हवा की गुणवत्ता पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि यह हैरान करने वाला है कि समुद्र किनारे बसा मुंबई शहर प्रदूषण के मामले में देश की राजधानी दिल्ली से भी आगे निकल रहा है। हाईकोर्ट ने त्योहारों के दौरान पटाखे जलाने और तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम पर रोक से जुड़े आदेशों को ठीक से लागू नहीं करने पर पुलिस और नागरिक निकायों को फटकार लगाई। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की पीठ ने बुधवार को प्रदूषण से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड , नागरिक अधिकारियों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। यह मामला प्रदूषण पर अदालत की ओर से स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई जनहित याचिका से जुड़ा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान जस्टिस कुलकर्णी ने कहा कि मुंबई को अपनी भौगोलिक स्थिति का स्वाभाविक फायदा मिलता है, लेकिन इसके बावजूद शहर की हवा की गुणवत्ता बिगड़ रही है। उन्होंने समुद्री हवा और खुले स्थानों का जिक्र करते हुए कहा कि मुंबई का आसमान साफ रहना चाहिए। अदालत ने यह भी चिंता जताई कि प्रदूषण के स्तर के मामले में मुंबई अब दिल्ली को पीछे छोड़ रही है। पीठ के मुताबिक, मंगलवार को शहर में दृश्यता घटकर 500 मीटर से भी कम रह गई थी। जस्टिस कुलकर्णी ने अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब लाखों नागरिक आपात स्थिति जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, तो जिम्मेदार अधिकारी चैन से कैसे सो सकते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि उसके पहले दिए गए निर्देशों के बावजूद नियमों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। अदालत ने विशेष रूप से जुलूसों में म्यूजिक सिस्टम इस्तेमाल करने के लिए पूर्व अनुमति लेने और निर्धारित डेसीबल सीमा का पालन करने की शर्तों को लागू नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई।

ट्रंप की धमकी लेकर पहुंचे मुनीर को ईरान ने किया बेइज्जत

तेहरान,22 अक्टूबर। पाकिस्तान को अमेरिका की तरफदारी करना महंगा साबित हो रहा है। इस वजह से बुधवार को ईरान ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को बेइज्जत कर दिया। ईरान की नई सुरक्षा परिषद के प्रमुख मोहसेन रेजाई ने मुनीर से उसी विमान में पाकिस्तान वापस लौट जाने को कहा, जिससे वह तेहरान पहुंचे थे। लेबनानी अखबार 'अल-अखबार' ने इसकी पुष्टि की है। आपको बता दें कि मुनीर ने रेजाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से एक अल्टीमेटम दिया.

कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कर्म शिरोमणि सम्मान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 अक्टूबर । बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में कर्म शिरोमणि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एसएमएस-2 के मुख्य महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव उपस्थित रहे। समारोह में नवंबर 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के दौरान उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए 12 कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में राजीव श्रीवास्तव ने सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्पादन गतिविधियों के दौरान सुरक्षित कार्यप्रणाली का पालन सर्वोपरि होना चाहिए।



कर्मचारियों की सुरक्षा संयंत्र की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कर्मचारियों की उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, समर्पण और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कार्यकुशलता एवं तकनीकी दक्षता के बल पर अनेक चुनौतियों को अवसरों में बदलकर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यह भिलाई इस्पात संयंत्र की सशक्त कार्य संस्कृति और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। समारोह में जूनियर इंजीनियर, सीसीएस, एसबीएस लोकनाथ बघेल, ईए, सीसीएस, यांत्रिकी पी.सन्मुख राव, ईए, सीसीएस, विद्युत राजेंद्र प्रसाद, ईए, सीसीएस, विद्युत रमेश कांत सिन्हा, जेईए, सीसीएस, प्रचालन ओंकार सिंह, ईए, सीसीएस, प्रचालन निशिकेश मून, चार्जमैन-कम-सीनियर टेक्नीशियन, सीएस, यांत्रिकी प्रदीप कुमार सोम, ईए, सीसीएस, यांत्रिकी श्री जाकिर अली, ईए, सीसीएस, एसबीएस राम अवतार ठाकुर, ईए, सीसीएस, प्रचालन महावीर प्रसाद, ईए सीएस, यांत्रिकी त्रिनाथ सोम तथा जेईए, सीएस, प्रचालन मनसा मांडवी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में एसएमएस-2 के महाप्रबंधक सौरभ जैन, के. राजकुमार, एस. देबसिकदर, एन.के. देथे एवं एस.के. मलिक तथा उप महाप्रबंधक नितिन अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, मुख्य महाप्रबंधक सचिवालय के संजीव सिंह एवं अन्य कर्मचारी भी समारोह में शामिल हुए। संचालन उप प्रबंधक सिकंदर इंदोरिया, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी, कार्मिक विभाग, स्टील जोन-2 के.डी. बघेल एवं आर.के. ठाकुर ने किया।

ग्राम सांकरा में आतिशबाजी के साथ किया गया रावण पुतला दहन



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 22 अक्टूबर । ग्राम सांकरा में विजयादशमी के पावन अवसर पर 20 अक्टूबर को शाम 6 बजे दशहरा मैदान में भव्य रावण दहन कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर आकर्षक आतिशबाजी और रामलीला के साथ दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया।

ग्राम सांकरा में विगत कई वर्षों से दशहरा उत्सव की परंपरा उत्साह और हर्षोल्लास के साथ निभाई जा रही है। इस वर्ष भी आयोजन को लेकर ग्रामवासियों में खासा उत्साह रहा। रावण दहन के साथ होने वाली आतिशबाजी और रामलीला कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही।

कार्यक्रम में युवा सरपंच रवि सिंगौर द्वारा हनुमान पाठ किए जाने की भी जानकारी दी गई थी। धार्मिक आस्था और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व को लेकर तैयारियो से की गई आयोजकों ने समस्त ग्रामवासियों से कार्यक्रम में शामिल होकर दशहरा उत्सव शान्ति पूर्ण मनाने के लिये आभार व्यक्त की है।

एक नजर

चोरी के मामले में युवक गिरफ्तार



दुर्ग, 22 अक्टूबर (तछसं.)। दुर्गा पंडाल की दान पेटी एवं शकुन टावर से एसी का कॉपर वायर चोरी करने वाले चार आरोपियों को थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि प्रकरण में प्रार्थी नितिश दुबे निवासी अटल परिसर वसुंधरा नगरए भिलाई.03ए थाना पुरानी पुरानी भिलाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शकुन टावर में स्थित उनके जिम के एसी का कॉपर वायर भवन के पीछे की ओर लगा हुआ था 28.29 की रात्रि में अज्ञात आरोपियों ने वायर काटकर चोरी कर लिया गया। रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभकी गई। विवेचना के दौरान संदेहियों को थाना लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की संलिप्तता सामने आने पर उनकी निशानदेही पर कॉपर वायर बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा बजरंग पारा स्थित दुर्गा पंडाल में रखी दान पेटी से रकम चोरी करने तथा प्राप्त रकम को आपस में बांटने की जानकारी भी दी गई। आरोपियों ने बताया कि शकुन टावर के एसी का कॉपर वायर चोरी करने के बाद उसे बोरी में भरकर रेलवे लाइन के पास छिपाकर रखा गया था। प्रकरण में साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों राजू चेलक 21 वर्ष निवासी बजरंग पाराए भिलाई.03ए आदित्य नायक 19 वर्ष निवासी बजरंग पारा भिलाई.03 व दो नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है।

9 माह में 9216 वाहनों पर कार्रवाई



दुर्ग, 22 अक्टूबर (तछसं.)। जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने जनवरी से सितंबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया नौ माह में 9,216 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर 69 लाख 44 हजार 100 रुपए समन शुल्क वसूला गया यातायात पुलिस इंटरसेप्टर वाहन के माध्यम से तेज रफ्तार वाहन चालकों पर नजर रख रही है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेन्द्र देव पटेल ने बताया कि जिलेभर में कार्रवाई की जा रही है इस दौरान निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने वाले 1,862 चालकों और बिना हेलमेट दोपहिया चलाने वाले 6,920 चालकों पर कार्रवाई हुई। प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न लगाने वाले 153, शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 226 और शीशों पर काली फिल्म लगाने वाले 55 चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई तेज रफ्तार से बढ़ता है हादसों का खतरा तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह है। इससे वाहन चालक के साथ अन्य राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ती है। यातायात पुलिस ने नागरिकों से गति सीमा का पालन करने, हेलमेट पहनने, प्रेशर हॉर्न का उपयोग नहीं करने और शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की है।

गाने के विवाद में युवक पर चाकू से हमला

दुर्ग, 22 अक्टूबर (तछसं.)। दुर्गा विसर्जन के दौरान रुआबांधा इलाके में डीजे पर गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट और चाकूबाजी में बदल गया। इस घटना में गणपत नाम के युवक के गले पर चाकू से वार किया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का इलाज सेक्टर-9 अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार रुआबांधा में दुर्गा विसर्जन के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान आरोपी जय और उसके नाबालिग भाई ने सागर और गणपत के साथ मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर जय ने महानंद के गले पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। चाकू लगने के बाद महानंद गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और घायल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि रुआबांधा में बीती रात एक आरोपी ने धारदार हथियार से एक युवक को घायल किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घायल का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।



बीएसपी के निजीकरण और टाउनशिप की बदहाली पर जनप्रतिनिधियों से मांगा जवाब



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 अक्टूबर । आचार्य नरेंद्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति के अध्यक्ष आर. पी. शर्मा ने भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में आउटसोर्सिंग, स्थानीय ठेकेदारों की अनदेखी, मजदूरों के अधिकार, 39 महीने के बकाया एरियर्स और टाउनशिप की बदहाल बुनियादी सुविधाओं को लेकर जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। शर्मा ने कहा कि संयंत्र के पूर्ण निजीकरण और कार्यों की आउटसोर्सिंग में अंतर है, लेकिन दोनों के दूरगामी प्रभावों पर गंभीर चर्चा जरूरी है। उन्होंने कथित लोहा चोरी मामले में निष्पक्ष जांच, मजदूरों की सुरक्षा तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आवास और अधिकारियों के आवासों के उपयोग में पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि भिलाई इस्पात संयंत्र में आउटसोर्सिंग के माध्यम से विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। आरोप है कि इस प्रक्रिया में स्थानीय ठेकेदारों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। उनका कहना है कि आउटसोर्सिंग के तहत संयंत्र प्रबंधन के अधिकारियों के माध्यम से बाहरी लोगों को काम दिलाया जाता है, जिससे स्थानीय ठेकेदार प्रतिस्पर्धा से बाहर होते जा रहे हैं। शर्मा ने कहा कि ऐसी कार्रवाई से राष्ट्र की संपत्ति की सुरक्षा के लिए उनकी आवाज नहीं रुकेगी। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों से सवाल किया कि कर्मचारियों के बकाया भुगतान, स्थानीय ठेकेदारों के हितों और टाउनशिप की समस्याओं के समाधान के लिए अब तक क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने इन सभी मामलों में निष्पक्ष जांच, पारदर्शिता और प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

स्टील इंडस्ट्रीज में हादसा, श्रमिक की मौत के बाद फर्नेस संचालन पर रोक

भिलाई, 22 अक्टूबर । रसमड़ा स्थित जेडी स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में हुए औद्योगिक हादसे में श्रमिक संतोष श्रीवास्तव की मौत हो गई। घटना के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने संबंधित फर्नेस, लैडल, टंडिश कार, नोजल और कंटीन्यूअस कास्टिंग मशीन (सीसीएम) से जुड़े परीक्षण एवं संचालन कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 अक्टूबर को तड़के करीब 1.30 बजे संयंत्र में परीक्षण कार्य के दौरान 15 टन क्षमता वाली फर्नेस से लगभग 1600 डिग्री सेल्सियस तापमान की पिघली हुई धातु टंडिश कार में स्थानांतरित की जा रही थी। इसी दौरान पर्जिंग प्रक्रिया में अत्यधिक लांसिंग और नोजल में अवरोध के कारण टंडिश की बॉटम प्लेट फट गई। इससे गर्म पिघली हुई धातु श्रमिक संतोष श्रीवास्तव के ऊपर गिर गई, जिससे गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद कार्यालय उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, दुर्ग संभाग ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की है। संयंत्र प्रबंधन को सक्षम तकनीकी विशेषज्ञों के माध्यम से सुरक्षा ऑडिट कराने और सात दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संचालन पर रोक से प्रभावित श्रमिकों को वेतन एवं अन्य लाभ दिए जाएंगे। साथ ही जहां संभव हो अधिभोगी द्वारा उन्हें वैकल्पिक रोजगार दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

डुन्डेरा में रामलीला मंचन के साथ मनाया गया दशहरा पर्व



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 22 अक्टूबर । ग्राम डुन्डेरा में रामलीला के साथ धूमधाम से हर्षोल्लासपूर्वक दशहरा का पर्व मनाया गया भगवान श्रीराम की महाआरती के साथ छत्तीसगढ़ी लोक गायक खुमान सिंह यादव के निर्देशन में रामलीला का मंचन किया गया इसके पश्चात आकर्षक आतिशबाजी के साथ रावण का पुतला दहन किया गया जो विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा

ग्राम के लोग दशकों से ग्राम में दशहरा का पर्व मनाते आ रहे है यहां के भव्य दशहरा महोत्सव में आसपास ग्रामों के लोग भी आते है इस आयोजन के दौरान पार्षद द्वय खिलेन्द्र चंद्राकर एवं रोहित धनकर, पं भीखम शर्मा, रामनाथ यादव, अशोक साहू, पवन यादव, टीकम साहू, दुर्गेश साहू, पुरेन्द्र यादव, चेतन साहू, जीनत साहू, पवन बंजारे,धनेश साहू, पोषण देवांगन, बी आर मौर्य ,चेतन गुरुजी, हर्ष चंद्राकर, इंद्रजीत सोनवानी, चंद्रीका क्षत्रीय, केशव महिपाल ,हरीशचंद्र साहू, अजय साहू सहित ग्राम डुन्डेरा एवं आसपास ग्रामों से हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे

भोज



आँगनबाड़ी केंद्र क्रं. 6 में बालिकाओं की पूजा कर नवकन्या भोज कराया गया

उतई। जागृति बालिका जस एवं मानस मंडली के सानिध्य में नेवता भोज के अंतर्गत नवकान्या भोज कराया गया नवकान्या भोज माता सिंगार खीर पूड़ी भोजन केंद्र के बच्चे को माता के रूप विधिवत पूजा अर्चना कर श्रद्धा भाव अर्पित किया गया शासन का आदेश नवकान्या भोज कराना जिसमे सहयोगी बनकर जागृति जस मंडली ने आगे आकर नवकान्या भोज महती सयोंग दिया इस पुनीत पावन अवसर पर जागृति जस मंडली के संचालक मुकेश साहू सदस्य नीरूपा ठाकुर ममता ठाकुर मधु ठाकुर शंकर साहू आगनबाड़ी मैडम माधुरी ठाकुर आँगन वाडी सहायिका अनीता ज़ी एवं वार्डवासी उपस्थिति थे

सीताबाई का चार दशक बाद अपने पक्के घर का सपना हुआ साकार

दुर्ग, 22 अक्टूबर । कुछ सपने उम्र के साथ बूढ़े नहीं होते। वे मन के किसी कोने में उम्मीद बनकर जीवित रहते हैं। अपने घर का सपना भी ऐसा ही सपना है– एक ऐसी छत, जिसे इंसान पूरे अधिकार और आत्मसम्मान के साथ अपना कह सके। दुर्ग के आशा नगर, हरिनगर की रहने वाली श्रीमती सीता बाई देवांगन और उनके पति श्री जीवन लाल देवांगन ने इस सपने को अपनी जिंदगी के लगभग चार दशक समर्पित किए। आज जब उनके सिर पर अपनी पक्की छत है, तो यह सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, त्याग, मेहनत और उम्मीद के बाद मिली सुकून की छाँव है।

पिपरछेड़ी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर से 44 ग्रामीण लाभान्वित



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 अक्टूबर । बीएसपी द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के निकुम ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पिपरछेड़ी में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कुल 44 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया तथा निशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं। लाभार्थियों में 8 पुरुष एवं 36 महिलाएं शामिल थीं। इस चिकित्सा शिविर के आयोजन में बीएसपी-सीएसआर की ओर से डॉ. भव्या एस., फार्मासिस्ट सुश्री जान्हवी तथा नर्सिंग स्टाफ सदस्य सुश्री तृप्ति कुमारी ने सहयोग प्रदान किया। शिविर में आने वाले मरीजों के पंजीयन की व्यवस्था राकेश कुमार द्वारा की गई। वहीं, जिला चिकित्सालय के ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी नन्द कुमार साहू ने भी शिविर के सफल आयोजन में अपना सहयोग दिया।

छग सशस्त्र बल वाहिनी ने पुलिस स्मृति दिवस मनाया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 अक्टूबर । भिलाई स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की प्रथम वाहिनी में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया कार्यक्रम में दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक शांडिल्य, प्रथम वाहिनी के कमांडेंट नीरज चंद्राकर, दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल, बालोद एसपी किरण चव्हाण तथा बेमेतरा एसपी त्रिलोक बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने कार्यक्रम के दौरान शहीद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिजनों को आमंत्रित कर उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर को मनाया जाने वाला



पुलिस स्मरण दिवस भारतीय सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और बलिदान की याद दिलाता है। इसका इतिहास 21 अक्टूबर 1959 से जुड़ा है, जब लद्दाख के %हॉट-स्प्रिंग्स% इलाके में भारत-तिब्बत सीमा की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ तीसरी बटालियन के मात्र 21 जवानों के गश्ती दल पर चीनी सेना ने घात लगाकर हमला कर दिया था। भारी चीनी फौज का डटकर मुकाबला करते हुए मातृभूमि की रक्षा में 10 शूरवीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।इस ऐतिहासिक घटना के बाद, जनवरी 1960 में दिल्ली में आयोजित पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि इन वीर सपूतों की स्मृति में हर वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। तब से यह दिन देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर बन गया है। कार्यक्रम के दौरान पिछले साल भर के भीतर 154 शहादत देने वाले पुलिस व अर्ध सैनिक बलों के जवानों को याद किया गया। 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 की अवधि में देश भर के कुल 154 पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के जवानों ने वीरगति प्राप्त की। इनमें छत्तीसगढ़ के 6 वीर जवानों सहित आंध्र प्रदेश 1, बिहार 12, मध्य प्रदेश 9, जम्मू-कश्मीर 9, उत्तर प्रदेश 6, बीएसएफ 25, आईटीबीपी 9, आरपीएफ 8, असम राइफल्स 6 और अन्य राज्यों व बलों के शूरवीर शामिल हैं

75 दिन चलने वाले बस्तर दशहरा में इससे जुड़े सेवाभावी लोगों का बड़ा महत्व है: बलराम मांझी

जगदलपुर, 22 अक्टूबर। रियासत कालीन बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा, सामाजिक समरसता और जनभागीदारी का अद्भुत संगम है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक पर्व में जहां विभिन्न रस्मों और परंपराओं का निर्वहन किया जाता है, वहीं इससे जुड़े सेवाभावी लोगों का योगदान भी विशेष महत्व रखता है। इसी कड़ी में कुमार जयदेव द्वारा दशहरा पर्व के दौरान सेवादारों, रथ निर्माण में जुटे कारीगरों, मांझी-चालकी, सिरहा-गुनिया और पुजारी गणों के लिए भोजन, जलपान एवं ठहरने की व्यवस्था कराई जा रही है। उनके इस निःस्वार्थ सेवा भाव की बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी ने सराहना करते हुए उन्हें साधुवाद दिया है। बलराम मांझी ने कहा कि धन-संपत्ति तो बहुत लोगों के पास होती है, लेकिन उसे दूसरों की सेवा में लगाने एवं निःस्वार्थ भाव हर किसी में नहीं होता। वे दशहरा ही नहीं, बल्कि अन्य धार्मिक आयोजनों और पूजा-पाठ के कार्यों में भी हमेशा समाज के लोगों के साथ खड़े रहते हैं और हर संभव सहयोग प्रदान करते हैं।बलराम मांझी ने कहा कि जयदेव बाबा द्वारा दशहरा पर्व के दौरान जिस समर्पण और सेवाभाव के साथ लोगों की सेवा की जा रही है, वह अपने आप में प्रशंसनीय है। दशहरा की विभिन्न रस्मों को संपन्न कराने के लिए दूर-दूर से सेवादार, रथ निर्माण के कारीगर, मांझी-चालकी, सिरहा-गुनिया और पुजारी गण पहुंचते हैं। पर्व की तैयारियों से लेकर अंतिम विदाई तक इन सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में उनके भोजन, जलपान और ठहरने की व्यवस्था के लिए आगे आना वास्तव में अनुकरणीय कार्य है।उन्होंने बताया कि दशहरा पर्व के दौरान अंसख्य देवी-देवताओं के साथ उनके सेवादार भी पहुंचते हैं। शासन की ओर से उनके लिए राशन और ठहरने की व्यवस्था की जाती है, लेकिन किन्हीं कारणों से जिन लोगों तक यह सुविधाएं नहीं पहुंच पातीं, उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कुमार जयदेव बाबा अपनी ओर से व्यवस्था कर रहे हैं। यह उनकी संवेदनशीलता और सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होने कहा कि कुमार जयदेव का सेवा कार्य सभी के लिए प्रेरणादायक है। बलराम मांझी ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दशहरा पर्व की शुरुआत से लेकर अंतिम विदाई तक उनके द्वारा जिस तरह सेवा की जा रही है, उसके लिए वे उन्हें हृदय से साधुवाद देते हैं।

भैसबोड़ में माता की विदाई पर नम हुई भक्तों की आंखें, विसर्जन में उमड़ा जनसैलाब

अंवरी, 22 अक्टूबर। ग्राम भैसबोड़ में शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के समापन पर माता रानी की विदाई भावुक माहौल में हुई। नौ दिनों तक माता की आराधना, पूजा-अर्चना और सेवा में लीन रहने वाले भक्तों की आंखें विसर्जन के दौरान नम हो गईं। मां दुर्गा की प्रतिमा को विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पूरा गांव भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। माता रानी के जयकारों और गाजे-बाजे के साथ निकली विसर्जन यात्रा में भक्तों का जनसैलाब देखने को मिला।

नवरात्रि के दौरान ग्राम भैसबोड़ में माता रानी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। प्रतिदिन सुबह-शाम पूजा, आरती और जसगीतों के माध्यम से भक्तों ने मां दुर्गा की आराधना की। नौ दिनों तक गांव में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में पहुंचकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और क्षेत्र की उन्नति की कामना की। नवरात्रि के अंतिम दिन से ही माता की विदाई को लेकर भक्तों में जहां उत्साह था, वहीं मां को विदा करने की घड़ी नजदीक आने के साथ ही भावुकता भी बढ़ती गई।

सेवा गीतों पर झूमते रहे श्रद्धाल-माता रानी की विसर्जन यात्रा के दौरान सेउक के सेवा गीतों ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। सेवा गीतों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूमते और नाचते नजर आए। माता के जयकारों से गांव का वातावरण गूंज उठा। छोटे-बड़े सभी भक्त पूरे उत्साह के साथ विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। भक्ति गीतों और जयकारों के बीच श्रद्धालु माता रानी को अंतिम विदाई देने के लिए आगे बढ़ते रहे। इस दौरान कई भक्तों की आंखें नम हो गईं। भक्तों के लिए यह पल एक ओर उत्साह और आस्था से भरा था, तो दूसरी ओर माता से बिछड़ने का भावुक क्षण भी था।

गाजे-बाजे और माता के जयकारों के साथ निकली विसर्जन यात्रा बांधा तालाब पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ माता की प्रतिमा एवं जांवारा का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने माता रानी से अगले वर्ष फिर से आने की प्रार्थना की। भक्तों ने नम आंखों से मां को विदाई देते हुए क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा।

माता रानी की विदाई के साथ ही नौ दिनों से चल रहे धार्मिक आयोजन का समापन हुआ। हालांकि, माता के दरबार में बिताए गए नौ दिनों की यादें भक्तों के मन में बनी रहेंगी। श्रद्धालुओं ने माता रानी से अगले वर्ष फिर से गांव में पधारने की कामना करते हुए भावुक मन से विदाई दी। जय माता दी के जयकारों के बीच भैसबोड़ में माता रानी का विसर्जन श्रद्धा, भक्ति और भावुकता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हरीश चतुर्वेदी महाराज, कमलसिंग ध्रुव शीतला मंदिर बैगा, सूरजभान ढीमर, गंगाराम तारक, नरसिंग यादव, केदार ध्रुव, एवन साहू, रोहित साहू, सुंदरलाल, तोरण नागारची, दुलरवा राम, हरीश साहू, गजेंद्र साहू, रविकुमार, नीलकंठ यादव, होमेंद्र साहू, डेमन साहू, लोकेश साहू पटवारी, मोहेंद्र साहू, तुकेश ध्रुव, अश्वनी नगारची, दौलत राम सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहें ।

अदाणी के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य क्लिनिक का आयोजन 23 को

जामुल,22 अक्टूबर । अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से सामुदायिक स्वस्थ क्लिनिक का आयोजन 23 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह साढ़े दस बजे से जामुल के वार्ड-3 के तरुण सांस्कृतिक भवन में साप्ताहिक स्वास्थ्य क्लिनिक का आयोजन किया जा रहा है नगर पालिका परिषद् के पूर्व अध्यक्ष रेखराम बंछोर ने नगरवासीयों से इस शिविर का ।ड़खकाधिक लाभ उठाकर स्वस्थ्य सेवाओं का लल्भ उठने की अपील की है ।

वार्षिक सम्मेलन में साध्वी अंबालिका किशोरी वृंदावन और लोधी राधिका किशोरी का होगा उद्बोधन

22 नवंबर को लोधेश्वरधाम में दीपावली मिलन के अतिथि होंगे अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

रायपुर, 22 नवम्बर। लोधेश्वरधाम लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में एक आवश्यक बैठक लोधेशवरधाम टोल प्लाजा के पास कुम्हारी में संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी 22 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली वार्षिक सम्मेलन, युवक- युवती परिचय सम्मेलन, दीपावली मिलन समारोह एवम स्मारिका प्रकाशन और विमोचन के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही वार्षिक सदस्यता और आजीवन सदस्यता के साथ-साथ लोधेशवरधाम में निर्माणाधीन महिलाओं के लिए चेन्जिंग रूम और शौचालय निर्माण करने पर विचार विमर्श हुए। इस वर्ष के कार्यक्रम में पिछोर मध्यप्रदेश से साध्वी राधिका किशोरी लोधी प्रमुख अतिथि होगी। साथ ही जबलपुर के युवा विधायक निरज सिंह ठाकुर को मुख्य



अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

लोधेशवरधाम के अध्यक्ष सुरेश कुमार सूलाखे ने कहा कि प्रतिवर्षानुसार होने वाले कार्यक्रम को इस साल और भी वृहद रूप दिया जायेगा, । सभी स्वजातीय बंधूओ से आव्हान किए है कि अपने-अपने क्षेत्र से विवाह योग्य युवक- युवतियों का बायोडाटा प्रकाशन के लिए शीघ्र भेजिए। साथ ही अपने क्षेत्र से प्रतिभावान छात्रों के अलावा उल्लेखनीय कार्य करने वाले समिति, संगठन और संसथाओं की विस्तृत जानकारी दे ताकि उन्हें स्मारिका में उचित स्थान दिया जा सकेगा।

इस अवसर पर वृन्दावन धाम से साध्वी अंबालिका किशोरी लोधी महामण्डलेश्वर को आध्यात्मिक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। वे महिलाओ को जागृति, नारी शिक्षा और समाजिक दायित्व का बोध करायेगी। इस दौरान वे यंगर्स को पाश्चात्य संस्कृति को त्याग कर सनातन और सामाजिक संस्कृति की शिक्षा प्रदान करेंगी। इस दौरान लोधी समाज की स्वर कोकिला लोधी कल्याणी डहारे की मधुर आवाज से अपनी काव्य रचना का पाठ करेंगी। साथ ही नारायणगंज से रंजीता लोधी अपनी सुरीली आवाज से कार्यक्रम में चार- चांद लगाएंगी। कन्हैया मस्करे बालाघाट मध्यप्रदेश की संगीतमय धूनों से कार्यक्रम का आगाज होगा। छत्तीसगढ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका शिवानी जंघेल राजनांदगांव द्वारा छत्तीसगढ की राजगीत 'अरपा पैरी की धार, महानदी अपार' प्रस्तुत की जायेगी। राजधानी विकास प्राधिकरण के तहत लोधेशवरधाम के इस परिचय सम्मेलन में देश भर से युवक-युवती भी अपना परिचय देंगे। उल्लेखनीय है कि इस आवश्यक बैठक में सभी पदाधिकारीगण, सदस्यगण सहित स्वजातीय बंधू उपस्थिति थे। उपरोक्त जानकारी लोधेशवरधाम, लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर छत्तीसगढ के सचिव लोधी प्रहलाद दमाहे ने दी है।

समाचार संक्षेप

दशहरा मैदान में ब्रह्माकुमारी बहनों ने लोगों को दिया नशामुक्ति का सन्देश

- मनोविकारों पर जीत पाने से ही असली विजयादशमी होगी... ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी
- नशा हमारे स्वास्थ्य और परिवार दोनों को बर्बाद कर देता है...

रायपुर, 22 अक्टूबर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की बहनों ने डब्लआरएस कालोनी के दशहरा मैदान में रावण दहन से पूर्व भारी संख्या में उपस्थित जन समुदाय को नशा मुक्ति का सन्देश देते हुए उससे दूर रहने की प्रतिज्ञा कराई। ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने कहा कि हम हर साल दशहरा में रावण का पुतला बनाकर उसे जलाते है लेकिन रावण मरता नहीं है बल्कि हर साल वह बड़ा ही होता जा रहा है। इसका कारण यह है कि असली रावण हमारे अन्दर जिन्दा है।

उन्होंने कहा कि मनोविकार ही वह रावण है जो कि प्रतिदिन बढ़ते जा रहे है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, नफरत, घृणा, द्वेष, वैर आदि रावण के दस सिर हैं। जब तक इन दसों मनोविकारो पर जीत नहीं पायेंगे तब तक असली विजयादशमी नहीं मना सकेंगे। अपनी कमज़ोरियों पर जीत हासिल करना ही मानव मन में बसे रावण की नकारात्मक प्रवृत्तियों को खत्म करने का एकमात्र तरीका है।

आगे उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा चलाए जा रहे दस कोटि नशामुक्ति जन प्रतिज्ञा महाअभियान की चर्चा करते हुए कहा कि समाज के लिए नशा एक अभिशाप बन गया है। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक संबंधों और मानसिक सुख-शांति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और उद्देश्यपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी भावना दीदी ने दशहरा मैदान में उपस्थित लोगों को स्वयं नशा से दूर रहने के साथ ही दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रतिज्ञा करायी।

कार्यक्रम में विधायक पुरन्दर मिश्रा, डीआरएम दयानन्द, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, स्थानीय पार्षद खगपति सहित बड़ी संख्या में युवा एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर : साय

- यूनेस्को की संभावित सूची में सिरपुर का शामिल होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय : मुख्यमंत्री

रायपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिरपुर को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला, आध्यात्मिकता और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर है। प्राचीन काल से ही सिरपुर शिक्षा, संस्कृति, धर्म और स्थापत्य कला का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत पहचान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए पर्यटन की नई संभावनाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यूनेस्को की संभावित सूची में सिरपुर का शामिल होना हमारी गौरवशाली विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे सिरपुर को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिरपुर सहित छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी गौरवशाली विरासत से परिचित हों और छत्तीसगढ़ की संस्कृति की कीर्ति विश्वभर में और अधिक विस्तारित हो।

एक नजर

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर 365 करोड़ रुपए

रायपुर, 22 अक्टूबर। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 365 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 199.9 प्रतिशत अधिक है। बैंक का कुल ऋण पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 32.1 प्रतिशत बढ़कर 45, 699 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कुल जमा 29.2 प्रतिशत वृद्धि के साथ 50, 643 करोड़ रुपए पहुँच गई। तिमाही के दौरान बैंक ने रिकॉर्ड 10, 495 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया। सुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो 47 प्रतिशत बढ़कर 23, 803 करोड़ रुपए और किफायती आवास ऋण 31.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ 10, 056 करोड़ रुपए हो गया। कुल ऋण पोर्टफोलियो में सुरक्षित ऋणों की हिस्सेदारी बढ़कर 52.1 प्रतिशत रही। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। सकल एनपीए घटकर 2.10 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए 0.31 प्रतिशत रह गया। शुद्ध ब्याज आय 35 प्रतिशत बढ़कर 1, 244 करोड़ रुपए रही, जबकि परिसंपत्तियों पर रिटर्न 2.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। बैंक के बोर्ड ने तरजीही आवंटन के माध्यम से 409 करोड़ रुपए की पूँजी जुटाने को मंजूरी दी है, जो शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है। इसके अतिरिक्त, बैंक को डायरेक्ट असाइनमेंट के तहत 500 करोड़ रुपए की पहली किस्त प्राप्त हुई। बैंक ने वित्त वर्ष की पहली छमाही में 104 नई शाखाएँ खोलकर अपने नेटवर्क का विस्तार भी किया।

दल्ली राजहरा माइंस क्षेत्र में दिखे तीन भालू, कर्मचारियों में दहशत

बालोद 22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के दल्ली राजहरा माइंस क्षेत्र में तीन भालुओं की मौजूदगी से कर्मचारियों में चिंता बढ़ गई है। माइंस क्षेत्र में भालुओं को घूमते देख कर्मचारियों ने अपने मोबाइल फोन में उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। मामले की जानकारी मिलने पर दल्ली राजहरा वन परिक्षेत्र अधिकारी संतोष ठाकुर ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने भालुओं के नजदीक जाने से बचने की सलाह दी, ताकि किसी अप्रिय घटना की आशंका को टाला जा सके। माइंस क्षेत्र में भालुओं की मौजूदगी के चलते कर्मचारियों के बीच दहशत का माहौल बना हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले शनिवार देर रात ग्राम भालूकोन्हा स्थित शिव मंदिर परिसर में भी एक भालू दिखाई दिया था। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी गतिविधियां कैद हुई थीं। इसके बाद रविवार को भालू को जंगल की ओर जाते देखा गया। लगातार आबादी और कार्यस्थलों के आसपास भालुओं की मौजूदगी सामने आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। वन विभाग की ओर से लोगों को सतर्क रहने और वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई

कटघोरा में विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

कोरबा, 22 अक्टूबर। कटघोरा नगर में विजयादशमी का पर्व बुधवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान में नगर के मेला मैदान में 80 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन देखने के लिए कटघोरा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। विशाल जनसमूह की मौजूदगी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में आतिशबाजी और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इस वर्ष रावण दहन की खास बात यह रही कि रावण के दसों सिरों के मुंह से आग के गोले निकल रहे थे। इस नजारे ने उपस्थित दर्शकों को रोमांचित कर दिया। रावण दहन से पहले हुई शानदार आतिशबाजी ने भी लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल मुख्य अतिथि तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को दशहरा पर्व की बधाई देते हुए असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के संदेश को जीवन में आत्मसात करने की अपील की।

सीजीपीएससी में एक महीने से अध्यक्ष का पद खाली, नवंबर तक परीक्षाएं और इंटरव्यू टले

मुद्दे को लेकर कांग्रेस और भाजपा आए आमने-सामने

रायपुर, 22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) में अध्यक्ष पद एक महीने से खाली है। नेतृत्व न होने से भर्ती परीक्षाओं और साक्षात्कारों पर असर पड़ा है। आयोग ने नवंबर तक प्रस्तावित सभी परीक्षाएं और साक्षात्कार स्थगित कर शासन को इसकी आधिकारिक सूचना भेजी है। नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होने से आयोग के अहम फैसले लंबित हैं और भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही।

इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। कांग्रेस का आरोप है कि यूपीएससी की तर्ज पर एक लाख युवाओं को भर्ती देने और पारदर्शी व्यवस्था बनाने की भाजपा की 'मोदी की गारंटी' पूरी नहीं हुई। भाजपा ने पलटवार कर कहा,एक महीने से अध्यक्ष का पद खाली, नवंबर तक परीक्षाएं और इंटरव्यू टले सीजीपीएससी में भ्रष्टाचार कर अपनों को नौकरी देने वालों को इस मुद्दे पर राजनीति करने में शर्म नहीं आती है।

कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी नहीं दी

बतादें कि पूर्व अध्यक्ष रीता शांडिल्य आठ सितंबर को पद से मुक्त हुई थीं। इसके बाद से अध्यक्ष पद रिक्त है। एक महीने से अधिक समय बीतने पर भी सरकार ने नए अध्यक्ष का नाम तय नहीं किया और न ही



किसी को कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, साक्षात्कार से जुड़े नीतिगत फैसले अध्यक्ष स्तर पर लिए जाते हैं। नेतृत्व के अभाव में ये निर्णय नहीं हो पा रहे हैं।

इसका असर वर्ष 2025 की राज्य सेवा भर्ती परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों पर पड़ा है। उनके साक्षात्कार 23 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच होने थे, लेकिन प्रक्रिया रोक दी गई। नई तारीखों की घोषणा अब तक नहीं हुई है। लोक निर्माण विभाग के 40 पदों की परीक्षा भी टाल दी गई है।

नवंबर में होने वाली पुलिस विभाग के 297 पदों की भर्ती परीक्षा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित है। इनमें उप निरीक्षक, सूबेदार और प्लाटून कमांडर के पद शामिल हैं। नई समय-सारिणी नहीं आने से अभ्यर्थी असमंजस में हैं। देरी से आगे की परीक्षाओं का कार्यक्रम भी प्रभावित होने की चिंता है।

सदस्यों की नियुक्ति भी नहीं

आयोग 2021 की भर्ती घोटाले को लेकर भी मुश्किलों में है। इस मामले में पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी की गिरफ्तारी के बाद आयोग का कामकाज और भर्ती प्रक्रिया प्रभावित हुई है। आयोग में फिलहाल तीन सदस्य डॉ. प्रवीण वर्मा, सरिता उइके और संतकुमार नेताम हैं। तीनों कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से पद पर बने हुए हैं। एक सदस्य का भी पद रिक्त है उस पर नियुक्ति नहीं हुई है।

भाजपा के सांसद और मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान आयोग में भ्रष्टाचार हुआ और ऐसे में कांग्रेस को राजनीति करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर टामन सिंह सोनवानी को उपकृत करने और उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी दिलाने का आरोप भी लगाया।

मूल्यांकन में हो रही गड़बड़ी

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आयोग का अध्यक्ष पद महीनेभर से खाली है और मुख्य परीक्षा के साक्षात्कार स्थगित किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएससी 2025 की सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में 1:3 का पालन नहीं हुआ, निर्धारित संख्या में अभ्यर्थी साक्षात्कार में नहीं पहुंच पाए और मूल्यांकन में गड़बड़ी सामने आ रही है। एसएस

अर्बन चैलेंज फंड से प्रदेश के सुनियोजित विकास को मिलेगी नई गति : सीएम साय



रायपुर, 22 अक्टूबर। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारे शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहर केवल आवास और नागरिक सुविधाओं के केंद्र नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, रोजगार और नवाचार के प्रमुख आधार भी हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ के शहरों का विकास वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित, समावेशी, टिकाऊ और आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड (ट्रस्ट) एवं अर्बन इन्वेस्ट विंडो विषयक प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शहरी विकास को नई सोच और नई गति मिली है। अर्बन चैलेंज फंड जैसे अभिनव प्रयास शहरों को आधुनिक, सुविधासंपन्न, आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का बड़ा अवसर हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऐसी गुणवत्तापूर्ण परियोजनाएं तैयार करनी होंगी, जो नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ शहरों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें। कार्यशाला के दौरान प्रदेश के नगरीय विकास, वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और नगरीय निकायों की तकनीकी एवं संस्थागत क्षमता को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। पहला एमओयू हुडको और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा एमओयू नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेप्ट विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री साय ने इन समझौतों को प्रदेश के नगरीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इनके माध्यम से नगरीय निकायों को विकास परियोजनाओं की बेहतर योजना तैयार करने, वित्तीय संसाधन जुटाने, तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करने, प्रशिक्षण और संस्थागत क्षमता विकास में सहयोग मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में अब रात के तापमान में कमी हो रही

अब धीरे-धीरे दस्तक देने लगेगी ठंड

रायपुर, 22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के मौसम में बदलाव का दौर जारी है। अब धीरे-धीरे ठंड दस्तक देने लगी है। न्यूनतम तापमान में कमी आने का सिलसिला शुरू हो गया है। द्रोणिका का प्रभाव खत्म होने की वजह से आसमान साफ होने लगा है। इसके प्रभाव से रात का मौसम बदले लगा है। जगदलपुर छोड़कर शेष इलाकों में तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटे में बिलासपुर में चार डिग्री तो राजधानी में 2 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। बताया गया कि न्यूनतम तापमान में अगले 2 दिनों तक कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं। इसके बाद 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।

राजधानी रायपुर में आज मौसम विभाग के मुताबिक मौसम साफ रहने की संभावना है. दिन के वक्त गर्मी का अहसास हो सकता है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है।

प्रदेश में राजधानी फिर सबसे गर्म

बीते कुछ दिनों से रायपुर लगातार प्रदेश में सबसे गर्म शहर बना हुआ है। मंगलवार को यहां सबसे अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा. पिछले 24 घंटों में प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहा।

2 दिन बाद तापमान में गिरावट के आसार

मौसम विभाग ने आज मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। कहीं भी कोई चेतावनी नहीं जारी की गई। अगले दो दिनों मौसम में मुख्य तौर पर ज्यादा बदलाव की आशंका नहीं है। इसके बाद बादलों के छटने से रात के वक्त ठंडक का अहसास हो सकता है। न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी और तमिलनाडु तट पर चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। बुधवार को यह इसी क्षेत्र में लो प्रेशर एरिया में तबदील हो सकता है.

बिना रेरा पंजीयन भूखंडों की बिक्री पर सीजी-रेरा सख्त

सालासार विहार के प्रमोटर पर 25 लाख रुपये का जुर्माना

- रेरा अधिनियम की धारा 3 के उल्लंघन पर धारा 59 के तहत लगाई गई शास्ति

रायपुर, 22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भूखंड एवं आवास खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (सीजी-रेरा) द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राधिकरण ने रायपुर जिले के आरंग स्थित 'सालासार विहार' परियोजना में बिना रेरा पंजीयन के भूखंडों की बिक्री करने के मामले में प्रमोटर राजीव सोनी, पिता के.एल. सोनी, पर 25 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित की है।

प्राधिकरण द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध तथ्यों के परीक्षण में पाया गया कि सालासार विहार परियोजना के अंतर्गत भूमि का भूखंडों में विभाजन कर रेरा पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों का विक्रय किया गया। यह कृत्य भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन है। प्राधिकरण ने इस उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए अधिनियम की धारा 59 के अंतर्गत परियोजना की अनुमानित लागत के आधार पर प्रमोटर पर 25 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है।

रेरा पंजीयन के बिना भूखंडों की बिक्री अधिनियम का उल्लंघन: भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत निर्धारित श्रेणी की रियल एस्टेट परियोजनाओं का रेरा में पंजीयन कराना अनिवार्य है। ऐसी परियोजनाओं में पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों अथवा अन्य संपत्तियों का विज्ञापन, विपणन या विक्रय करना अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। इन प्रावधानों का उद्देश्य संपत्ति खरीदारों को परियोजना की वैधानिक स्थिति, विकास संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक विवरण उपलब्ध कराना तथा उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्राधिकरण की यह कार्रवाई स्पष्ट करती है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के विकास और विक्रय में निर्धारित नियमों का पालन आवश्यक है। बिना पंजीयन परियोजनाओं का संचालन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

0 भूखंड खरीदने से पहले रेरा पंजीयन की जांच करने की अपील: छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने आम नागरिकों एवं संपत्ति खरीदारों से अपील की है कि किसी भी आवासीय अथवा भूखंड परियोजना में निवेश करने से पहले संबंधित परियोजना की रेरा पंजीयन स्थिति की जांच अवश्य करें। खरीदार परियोजना का पंजीयन क्रमांक, प्रमोटर का विवरण तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन करें, ताकि भविष्य में संभावित विवादों एवं आर्थिक नुकसान से बचा जा सके। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है। साथ ही भूखंड एवं आवास खरीदारों के अधिकारों की रक्षा तथा सुरक्षित एवं विश्वसनीय संपत्ति लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्राधिकरण प्रतिबद्ध है। आमजन छत्तीसगढ़ रेरा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परियोजनाओं के पंजीयन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर ने हितग्राही के घर स्थापित सोलर पैनल का किया अवलोकन



- तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 22 अक्टूबर। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुंदरा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत हितग्राही श्रीमती पूर्णिमा निषाद के घर में स्थापित सोलर पैनल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राही से चर्चा कर योजना से मिल रहे लाभ एवं बिजली बिल में हो रही बचत की जानकारी ली। श्रीमती पूर्णिमा निषाद ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन होने के कारण उन्हें बिजली बिल में राहत मिल रही है। उन्होंने योजना को परिवार के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित करने से न केवल बिजली बिल में बचत होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक नागरिकों को इस जनहितकारी योजना से जोडने के लिए व्यापक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजना का प्रचार-प्रसार करने तथा पात्र एवं इच्छुक नागरिकों को आवेदन एवं सोलर पैनल स्थापना की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत नागरिकों को अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल के खर्च में कमी लाने का अवसर मिल रहा है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी उपस्थित थे।

सुको के फैसले से मतांतरण पर कुछ तो रोक लगेगी

देश में अवैध मतातंरण एक ऐसी समस्या है जिस पर रोक लगाने की जरूरत है लेकिन राज्य व केंद्र सरकारों के तमाम प्रयासों के बाद भी इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग सकी है।कई तरह के कानून बनाए गए,गांवों में कई तरह की रोक लगाई गई लेकिन अवैध मतांतरण पहले भी होता रहा है और आगे भी होता रहेगा।इसका मकसद होता है कि धर्म विशेष के लोगों की संख्या कर अपने धर्म के लोगो की संख्या बढ़ाई जाए ताकि बाद मे संख्या के बल पर राजनीति को प्रभावित कर सत्ता पर कब्जा किया जा सके। हमारा देश सेकुलर है,यहां सभी को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है,साथ ही यदि कोई स्वेच्छा से दूसरा धर्म अपनाना चाहता है तो उसके लिए वैध प्रक्रिया है,उस वैध प्रक्रिया के जरिए वह अपना धर्म बदल सकता है।समस्या यह है वैध रूप से तो बहुत ही कम लोग अपना धर्म परिवर्तन करते हैं लेकिन अवैध रूप से सबसे ज्यादा धर्म परिवर्तन कराया जाता है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। हाल ही में मतांतरण पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि मतांतरण पर कुछ तो रोक लगेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मतांतरण के बाद आरक्षण का लाभ लेने के मुद्दे पर एक अहम फैसला देते हुए कहा है कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था से किसी गैर हिंदू सामाजिक व्यवस्था में मतांतरण करने वाला व्यक्ति अपने पुराने सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर संविधान के अनुच्छेद १६(४) के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता।सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि इस्लाम स्वीकार कर लेने मात्र से कोई व्यक्ति राज्य के अधिसूचित मुस्लिम पिछड़ा वर्ग समुदायों में से किसी एक का सदस्य नहीं बन जाता।सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि मतांतरण से पहले की जाति या सामुदायिक पहचान को अपने आप किसी दूसरे धर्म के पिछड़ा वर्ग में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। हिंदू,सिख व बौध्द धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति(एससी) का सदस्य नहीं माना जा सकता। यह अच्छा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले से अब हमेशा के लिए साफ कर दिया है कि यदि अनुसूचित जाति या अन्य पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति मतांतरण कर लेता है यानी धर्म बदल लेता है तो फिर वह अनुसूचित जाति या अन्य पिछड़ा वर्ग का होने के कारण उसको जो आरक्षण का लाभ मिल रहा था वह अब नहीं मिलेगा क्योंकि वह अब धर्म बदलने के कारण अनुसूचित जाती या अन्य पिछडा वर्ग का नहीं रहा।ऐसा निर्णय पहले मद्रास हाईकोर्ट ने दिया था जिसे तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। क्योंकि वह इस नियम को बनाए रखना चाहती थी कि यदि कोई अनुसूचित जाति या ओबीसी मतांतरण कर लेता है तो उसे आरक्षण का लाभ मतांतरण के बाद भी मिलता रहेगा। यानी कोई इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लेता है तो भी उसे अनुसूचित जाति व ओबीसी में रहते जो आरक्षण का लाभ मिलता था वह मतांतरण के बाद भी मिलता रहेगा।इससे तो सनातन को नुकसान हो रहा था साथ ही मतांतरण के बल भी मिल रहा था। तमिलनाडु सरकार ने जैसा नियम बना रखा था उससे से मतांतरण को बढ़ावा मिल रहा था क्योंकि मतांतरण के बाद मतांतरण करने वालों को आरक्षण का लाभ पहले जैसा मिलता था,वैसा मिलता था।इससे एससी व ओबीसी के अधिकार को नुकसान हो रहा था। यानी जो लोग मतांतरण के बाद एससी या ओबीसी नहीं रहे उनको भी एससी व ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण का लाभ मिल रहा था।इस दोहरे लाभ के लिए अवैध मतांतरण को बल मिल रहा था क्योंकि कोई स्वेच्छा से नहीं मतांतरण के कारण मिलने वाले लाभ व मतांतरण के बाद मिलने वाले लाभ के ही ज्यादा मतांतरण हो रहा था। कड़वी सच्चाई यह भी है कि हिंदू धर्म को मानने वाले किसी लोभ व लालच के कारण मतांतरण तो कर लेते हैं लेकिन मतांतरण के नए पंथ में भी उनको जातिगत भेदभाव का शिकार होना पड़ता है।यही वजह है कि दलित इसाइयों व दलित मुसलमानों के संगठन बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कि अब अनुसूचित जाति व ओबीसी के लोग मतांतरण करते हैं तो उनको अजा व ओबीसी में रहते आरक्षण का लाभ जो मिलता था अब मतांतरित हो जाने के बाद नहीं मिलेगा तो होगा यह कि अब जो लोग दोहरे लाभ के कारण मतांतरण करते थे वह अब दोहरा लाभ नहीं मिलने के कारण मतांतरण नहीं करेंगे। अनुसूचित जाति व ओबीसी में रहने पर आरक्षण का लाभ मिलेगा तो वह मतांतरण नहीं करेंगे क्योंकि मतांतरण करने पर अब आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से मतांतरण पर पूरी तरह रोक भले न लगे लेकिन आरक्षण लाभ मतांतरण के बाद नहीं मिलने के कारण बहुत से लोगों को लगेगा कि आरक्षण का लाभ जब मिलना नहीं है तो मतांतरण क्यो किया जाए। अनुसूचित जाति व एसटी के लोग तो मांग कर ही रहे थे कि कोई मतांतरण करता है तो उसे आरक्षण नहीं मिलना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उनकी यह मांग भी पूरी हो गई है।

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए मेहनत, जिम्मेदारियों और सफलता की एक दिलचस्प कहानी लिख सकता है! काम का दबाव बढ़ेगा और कुछ लोग आपकी तरक्की देखकर अड़चनें पैदा करने की कोशिश भी कर सकते हैं, लेकिन आपकी सूझबूझ और धैर्य के आगे उनकी चालें ज्यादा देर नहीं टिकेंगी।

वृषभ आज आपके घर में खुशियों की ऐसी आहट सुनाई दे सकती है, जो पूरे परिवार का माहौल बदल देगी! परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खबर मिले, तो घर में उत्सव जैसा वातावरण बन सकता है। वहीं, अतीत की कोई गलती आपको एक ऐसी सीख दे सकती है, जो भविष्य में सही फैसले लेने में मदद करेगी।

मिथुन आज आपके लिए तरक्की के नए दरवाजे खुल सकते हैं और लंबे समय से देखे जा रहे सपनों को पंख मिल सकते हैं! कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग आपकी स्थिति मजबूत करेगा। यदि आप नौकरी बदलने की कोशिश कर रहे हैं, तो मनचाहा अवसर मिलने की उम्मीद बढ़ सकती है। कोई ऐसी प्रिय वस्तु, जिसके खो जाने से आप निराश थे, उसके वापस मिलने की संभावना भी बन रही है।

कर्क आज आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है और आपकी बातों को पहले से अधिक गंभीरता से लिया जा सकता है! समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा मजबूत होने के संकेत हैं। हालांकि, यदि आप किसी के साथ साझेदारी में नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो अभी जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू की अच्छी तरह जांच कर लें।

सिंह आज दोस्तों की महफिल, स्वादिष्ट पकवान और अपनों का साथ आपके दिन को यादगार बना सकता है! मित्रों के साथ हंसी-मजाक और दिल खोलकर बातचीत करने का मौका मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कोई पुरानी उलझन सुलझने से मन को राहत मिल सकती है।

कन्या आज ऐसा महसूस हो सकता है जैसे किस्मत ने आपकी परेशानियों को पीछे छोड़ने का फैसला कर लिया हो! लंबे समय से चली आ रही मुश्किलें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं और अचानक धन लाभ या कोई शुभ समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। लेकिन इस अच्छे समय का पूरा लाभ उठाने के लिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा।

तुला आज आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबरें आपका उत्साह बढ़ा सकती हैं! आय के नए स्रोत मिलने या कमाई के बेहतर अवसर सामने आने से आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। भविष्य के लिए जो योजनाएं लंबे समय से आपके मन में थीं, उन्हें अमल में लाने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

वृश्चिक आज अपनी सेहत को प्राथमिकता देना ही आपकी सबसे समझदारी भरी चाल होगी! खानपान में लापरवाही और अनियमित दिनचर्या से बचें, ताकि छोटी परेशानी बड़ी न बने। अच्छी बात यह है कि लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान मिल सकता है, जिससे मन पर बना बोझ हल्का होगा।

धनु आज आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन पैसों के मामले में जरा-सी लापरवाही परेशानी भी खड़ी कर सकती है! आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखें। परिस्थितियां कभी-कभी आपकी उम्मीदों के अनुसार नहीं चलेंगी, लेकिन धैर्य बनाए रखने से आप सही रास्ता खोज सकते हैं।

मकर आज पुरानी यादें, नई खुशियां और अधूरी इच्छाओं के पूरे होने की उम्मीद आपके दिन को खास बना सकती है! किसी पुराने मित्र से वर्षों बाद मुलाकात हो जाए, तो बीते दिनों की यादें ताजा हो सकती हैं और मन खिल उठेगा। आपकी कोई पुरानी मनोकामना पूरी होने के संकेत भी मिल रहे हैं, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ आज आपकी समझदारी आपको अनावश्यक खर्चों से बचाकर भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करने में मदद कर सकती है! दिखावे या दूसरों की बराबरी करने के लिए पैसा खर्च करने से बचें। संतान के भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की जरूरत पड़ सकती है, इसलिए जल्दबाजी के बजाय सभी पहलुओं पर विचार करें। ससुराल पक्ष से आर्थिक सहयोग मिलने के संकेत हैं, जिससे किसी जरूरत को पूरा करने में मदद मिल सकती है।

मीन आज आपके लिए खुशियों के कई दरवाजे एक साथ खुलते नजर आ सकते हैं! वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी समझ बनी रहेगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। यदि कोई कानूनी मामला लंबे समय से चिंता का कारण बना हुआ था, तो उसमें अनुकूल परिणाम मिलने की संभावना है। इससे मन को बड़ी राहत मिल सकती है। किसी नए काम या गतिविधि में आपकी रुचि बढ़ेगी और उसे शुरू करने का उत्साह भी बना रहेगा।

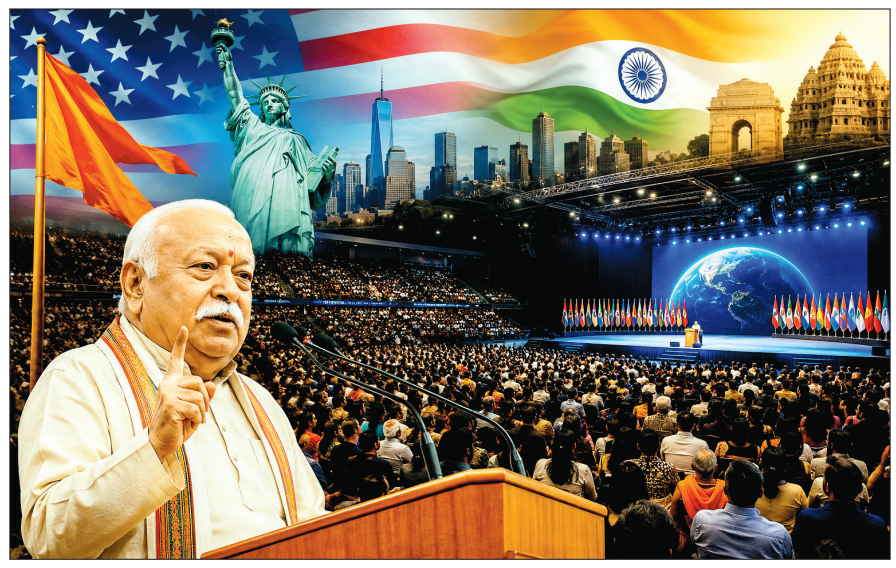
विजयादशमी पर भागवत-संदेश

मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता

ललित गर्ग

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्बोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।



बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित की वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें। आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वर्षों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उत्तेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रसेवा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो।

भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे।

राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्वक खड़ा हो सके। यहां किसी की देशभक्ति का निर्णय केवल उसकी धार्मिक पहचान, राजनीतिक पसंद या वैचारिक असहमति से नहीं होना चाहिए। देश के प्रति प्रतिबद्धता का मूल्यांकन उसके आचरण, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और समाज के लिए किए गए योगदान से होना चाहिए। मोहन भागवत के उद्बोधन का एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जिम्मेदारी का विचार भी है। राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों, नेताओं, सेनाओं या सामाजिक संगठनों का काम नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका से देश की दिशा प्रभावित करता है। ईमानदारी से काम करना, कानून का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, महिलाओं का सम्मान करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और सामाजिक तनाव के समय संयम बरतना-ये सभी राष्ट्रसेवा के व्यावहारिक रूप हैं। साथ ही राष्ट्रीय एकता के नाम पर अन्याय, भेदभाव अथवा नागरिकों की वास्तविक समस्याओं की अनदेखी भी नहीं होनी चाहिए। एक मजबूत राष्ट्र वह है, जहां नागरिक निर्भय होकर अपनी बात कह सकें, संस्थाएं निष्पक्षता से काम करें और हर व्यक्ति को न्याय मिलने की उम्मीद हो। आज भारत को ऐसी राष्ट्रीय चेतना की आवश्यकता है, जो हमें एक-दूसरे के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ खड़ा होना सिखाए। मतभेद रहें, पर मनभेद न बढ़ें, विचार अलग हों, पर राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी साझा रहे। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा हो, पर सामाजिक संबंधों में शत्रुता न आए। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी बाहरी चुनौती अथवा आंतरिक तनाव के सामने भारत की एकता, संविधान की गरिमा और मानवता का सम्मान कमजोर नहीं पड़ने देंगे। भारत की सबसे बड़ी विजय तब होगी, जब अनेक विचारों के बीच एक साझा विश्वास जीवित रहेगा। हम अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारा भविष्य एक है, हमारी धरती एक है और हमारा राष्ट्र भारत है। मोहन भागवत का यही विजयादशमी का व्यापक संदेश है और यही समय की सबसे बड़ी पुकार है।

वह एक यूनिट खून

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

रात के ठीक बारह बजकर तैंतालीस मिनट पर स्टेट मॉडल ब्लड बैंक के मुख्य सर्वर की स्क्रीन पर एक नीली लाइट कौंधी। राष्ट्रीय स्तर के ई-रक्तकोष पोर्टल पर पूरे संभाग का लाइव डेटा जगमगा रहा था। स्क्रीन के कोने में दुर्लभ रक्त समूह की उपलब्धता का एक अकेला बॉक्स हरे रंग में चमक रहा था, 'बी-नेगेटिवः 01 यूनिट उपलब्ध'। पूरे जिले में बी-नेगेटिव की यह अकेली थैली किसी अमूल्य कोहिनूर की तरह उस वातानुकूलित कमरे के डीप-फ्रीजर में रखी थी। क्या यह एक यूनिट रक्त उस आखिरी मुकाम तक पहुंच पाएगा, जहाँ जिंदगी और मौत के बीच का फासला महज कुछ सांसों का रह गया था? सड़क पर एक पुरानी मोटरसाइकिल तूफानी रफ्तार से दौड़ती हुई आई और ब्लड बैंक के पोर्च में फिसली। अट्ठाईस साल का मनोज बदहवास हालत में भीतर भागा। उसके हाथों में जिला महिला अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर का पर्चा था, जिस पर सर्जन ने लाल कलम से तीन बार अंडरलाइन करके लिखा था, 'अत्यधिक रक्तस्राव। मां और गर्भस्थ शिशु की जान बचाने के लिए तीस मिनट के भीतर बी-नेगेटिव की आवश्यकता।' मनोज हांफते हुए काउंटर पर पहुंचा। उसने शीशे के नीचे से वह पर्चा तकनीशियन की तरफ बढ़ा दिया, "साहब, पोर्टल पर आपके पास एक यूनिट बी-नेगेटिव दिखा रहा है। जल्दी दे दीजिए, मेरी पत्नी की सांसें उखड़ रही हैं!" तकनीशियन ने चश्मा ठीक किया। उसने अस्पताल की मुहर देखी और फिर कंप्यूटर का कीबोर्ड खटखटाया स्क्रीन पर अचानक लाल रंग का एक भारी पॉप-अप उभरा और बीप की आवाज आई—'एरर 404: एचएमआईएस क्लाउड सर्वर मेंटेनेंस पर है। निर्धारित समयः रात 12:00 से सुबह 04:00 बजे तक। कृपया प्रतीक्षा करें।'तकनीशियन ने अपनी कुर्सी पीछे खिसका ली। "भाई, सर्वर डाउन है। जब तक अस्पताल का ऑनलाइन रिक्विजिशन हमारे पोर्टल से लिंक नहीं होगा, ब्लड बैग का डिजिटल आरएफआईडी बारकोड रिलीज नहीं हो सकता।" मनोज का दिल बैठ गया। उसने दोनों हाथ जोड़ लिए, "साहब, फ्रीजर के शीशे से मुझे वो थैली साफ दिख रही है... उस पर मेरा नाम लिख लीजिए, मुझसे शपथ-पत्र ले लीजिए, बस वो खून दे दीजिए!" तकनीशियन ने बड़े दार्शनिक अंदाज में समझाया, "मनोज बाबू, यह डिजिटल युग है। पहले रजिस्टर में नाम लिखकर खून दे दिया जाता था, लेकिन अब भ्रष्टाचार रोकने के लिए सिस्टम में सख्त ताले लगे हैं। अगर हमने बिना डिजिटल ओटीपी और सर्वर ऑथेंटिकेशन के खून का बैग निकाला, तो इसे पोर्टल 'ब्लैक मार्केटिंग' मान लेगा और हमारी नौकरी पर तलवार लटक जाएगी।"



यार, तुमने कभी देखा है कि जब किसी बेबस इंसान की आंखों के सामने उसका संसार लुट रहा होता है, तो उस वक्त पारदर्शिता के नियम कितने खूंखार जल्लाद बन जाते हैं? मनोज ने काउंटर के मजबूत कांच पर अपना सिर पटक दिया। "साहब, चार बजे तक मेरी पूजा नहीं बचेगी! मेरा पेट फाड़कर खून निकाल लो, लेकिन मेरी पत्नी और बच्चे को बचा लो!" सुरक्षा गार्ड ने तुरंत आगे बढ़कर मनोज की कॉलर पकड़ ली, "पीछे हटो! सरकारी दफ्तर में ड्रामा मत करो। शांति बनाए रखो, सर्वर अप होते ही मिल जाएगा।" घड़ी की सुइयां लगातार आगे बढ़ रही थीं। रात का एक बज गया। डेढ़ बज गया। अस्पताल के कॉरिडोर से मनोज के मोबाइल पर फोन आया। स्क्रीन पर सर्जन की थकी हुई आवाज गूंजी, "मनोज... कहाँ रह गए? पेशेंट शॉक में जा रही है... ब्लड प्रेशर शून्य हो गया है..." मनोज के हाथ से फोन छूटकर फर्श पर गिर पड़ा। वह जमीन पर घुटनों के बल बैठ गया और उस बंद फ्रीजर के कांच को अपनी हथेलियों से सहलाने लगा, जिसके उस पार वह लाल रंग का तरल पदार्थ चुपचाप जमा हुआ रखा था। सुबह के ठीक चार बजकर तीन मिनट पर, कंप्यूटर की स्क्रीन हरी हो गई। सिस्टम ने ऑटोमैटिक नोटिफिकेशन दिया, 'सर्वर मेंटेनेंस पूर्ण। डिजिटल क्लियरेंस स्वीकृत। बारकोड जारी।' तकनीशियन ने मुस्कुराते हुए फ्रीजर का दरवाजा खोला और बर्फ के डिब्बे में वह थैली रखकर काउंटर पर बढ़ाई, "लीजिए मनोज जी, तकनीक ने अपना काम कर दिया। अब ले जाइए।" लेकिन मनोज ने वह डिब्बा नहीं उठाया। उसकी जेब में रखे फोन पर सर्जन का छोटा सा टेक्स्ट मैसेज चमक रहा था, 'वी आर सॉरी। हम दोनों को नहीं बचा सके।' मनोज ने उस बर्फ के डिब्बे को देखा, फिर अपनी खाली हथेलियों को देखा। वह उस अस्पताल के सैनिटाइज्ड, चमकदार फर्श पर बिना किसी आवाज के इस कदर लुढ़क गया जैसे किसी सूखे दरख्त की जड़ें एक ही झटके में कट गई हों। और उसके सामने रखा वह एक यूनिट खून का लाल बैग उस आधुनिक, पारदर्शी व्यवस्था के मुंह पर एक खामोश तमाचे की तरह रखा रह गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल...

डॉ. उषा किरण बड़ाईक संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरप्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक पक्के आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है। राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिद्दत से कोशिश की गई है। जिंदगी भर अपने पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी-थोड़ी बचत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संबल मिला तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है। प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने को निर्णय लिया ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरगया। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। आत्मसमर्पित नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केंद्र शासन से मिली। जिनमें से राज्य में 5600 आवास स्वीकृत हुए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अतंर्गत 47 हजार हितग्राहियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए थे। नवीन सरकार गठन के बाद इस श्रेणी के 39000 आवास स्वीकृत किए गये। जिसमें 24000 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वर्ष 2024 का नया सर्वे - वर्ष 2024 में आवास प्लस 2.0 का नया सर्वे किया गया। 11 सितंबर 2026 को भारत सरकार से छत्तीसगढ़ को करीब 3.65 लाख नए आवासों का लक्ष्य मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अतंर्गत 2 लाख 43 हजार स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों में एएचपी घटक के 29,267 आवास हैं। बीएलसी घटक के अतंर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एएचपी घटक में 14,687 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया है। एएचपी घटक में 12,530 हितग्राहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थापन किया गया है। आवास निर्माण हेतु नगरीय निकायों को 909 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अतंर्गत सभी शहरों में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक आधारित सर्वे और तेज़ स्वीकृति प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। 'प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0' अतंर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणाधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्षों से कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। टपकती छत, दीवारों में सीलन, गर्मी और ठंड से बचाव की कठिनाइयां तथा असुरक्षित आवास जैसी समस्याएं रही हैं। ऐसे परिवारों के लिए पक्का मकान केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जीवन में स्थायी बदलाव का माध्यम है। बुनियादी सुविधाएं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लेकर आ रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनसामान्य को स्वच्छ पेयजल, राशन, गैस चूल्हा व सिलेंडर, बिजली, शौचालय, जैसी अन्य सुविधाएं मिलने पर आवास की महत्ता एवं उपयोगिता बढ़ जाती है एवं जीवन स्तर में उन्नयन विकास की दिशा में अग्रसर है।

35 साल से कायम है केसाईगुड़ा के दशहरे का जलवा, तीन राज्यों से उमड़ती है हजारों की भीड़

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 22 अक्टूबर। परंपरा पुरानी है, लेकिन उत्साह आज भी बरकरार है। आस्था की जड़ें गहरी हैं और दशहरे का आकर्षण सीमाओं से परे है। भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम केसाईगुड़ा में वर्ष 1991 से मनाया जा रहा दशहरा पर्व अब केवल गांव का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। यही वजह है कि हर साल इस पारंपरिक आयोजन को देखने छत्तीसगढ़ के अलावा तेलंगाना और महाराष्ट्र से भी हजारों लोग पहुंचते हैं।

परंपरा 1991 से, उत्साह में आज भी वही दम

केसाईगुड़ा में दशहरा मनाने की परंपरा तीन दशक से अधिक समय से लगातार चली आ रही है। साल बदलते रहे, पीढ़ियां आगे बढ़ती रहीं, लेकिन इस उत्सव को लेकर ग्रामीणों का जोश कम नहीं हुआ। दशहरा आते ही गांव में उत्सव का माहौल बनने लगता है। ग्रामीण आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए जुट जाते हैं। इस निरंतरता ने केसाईगुड़ा को आसपास के इलाकों में एक अलग पहचान दिलाई है।

पर्व से पहले ही शुरू हो जाता है उत्सव का अभ्यास

केसाईगुड़ा के दशहरे की खास बात यह है कि आयोजन की तैयारियां ऐन मौके पर नहीं, बल्कि 10 से 15 दिन पहले ही शुरू हो जाती हैं। ग्रामीण रिहर्सल में जुटकर हर जरूरी तैयारी को अंतिम रूप देते हैं। सामूहिक भागीदारी और आपसी तालमेल इस आयोजन की खास पहचान



है। ग्रामीणों का यही समर्पण दशहरे को हर साल आकर्षण का केंद्र बनाता है।

छत्तीसगढ़ के साथ तेलंगाना-महाराष्ट्र से भी पहुंचते हैं लोग

भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष, भोपालपटनम विनोद कुमार मरपल्ली के मुताबिक, केसाईगुड़ा में वर्ष 1991 से दशहरा पर्व मनाया जा रहा है। हर साल हजारों की संख्या में लोग इस आयोजन को देखने पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के साथ तेलंगाना और महाराष्ट्र से आने वाले लोगों की मौजूदगी इस उत्सव के व्यापक आकर्षण को दर्शाती है।

ग्रामीणों की एकजुटता ने बचाए रखी सांस्कृतिक विरासत

केसाईगुड़ा का दशहरा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। आयोजन की जिम्मेदारियां ग्रामीण मिल-जुलकर निभाते हैं। यही सामूहिक प्रयास इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

नई पीढ़ी भी इस आयोजन के जरिए अपनी सांस्कृतिक जड़ों और पारंपरिक विरासत से जुड़ रही है।

केसाईगुड़ा का दशहरा इस बात की मिसाल है कि जब परंपरा को जनभागीदारी का साथ मिलता है, तो वह समय के साथ कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत होती जाती है। तीन राज्यों के लोगों को आकर्षित करने वाला यह आयोजन आज भी ग्रामीणों की आस्था, एकता और सांस्कृतिक गौरव का जीवंत प्रतीक बना हुआ है।

एक नजर

राष्ट्रपति मुर्मू के बस्तर दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए

जगदलपुर, 22 अक्टूबर। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 23 अक्टूबर को निर्धारित बस्तर प्रवास को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। वीवीआईपी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं, जिसके तहत चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों को नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के तहत मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर से 25 किलोमीटर की परिधि में 23 अक्टूबर को सुबह 06 बजे से शाम 04 बजे तक किसी भी प्रकार के ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह पाबंदी लगाई गई है। इसी क्रम में सुरक्षा घेरे को और अधिक सुदृढ़ करते हुए सिरहासार भवन एवं दंतेश्वरी मंदिर परिसर से 03 किलोमीटर के दायरे में भी 23 अक्टूबर को सुबह 07 बजे से शाम 05 बजे तक ड्रोन संचालन को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। उक्त दोनों आदेश तत्काल प्रभावशील कर दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधितों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने निर्माणाधीन डबरियों का सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

धमतरी, 22 अक्टूबर । जिले में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा कृषि आधारित आजीविका के नए अवसर विकसित करने की दिशा में जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने कुरुद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चर्रा स्थित उद्यानिकी महाविद्यालय में मखाना उत्पादन के लिए निर्माणाधीन डबरी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए डबरी की गहराई, कार्य की गुणवत्ता, श्रमिकों की उपस्थिति, मस्टर रोल के संधारण तथा सृजित मानव दिवस की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने श्रमिकों की उपस्थिति का नियमित संधारण करने तथा मस्टर रोल में कार्यरत श्रमिकों एवं सृजित मानव दिवस का सही-सही अभिलेखन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश

धमतरी, 22 अक्टूबर । जिले में ग्रामीण विकास कार्यों को गति देने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने जनपद पंचायत कुरुद के सभाकक्ष में पंचायत सचिवों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। कार्यों में अनावश्यक विलंब, लापरवाही अथवा निर्देशों की अवहेलना पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, वीबी-जी रामजी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), जल संरक्षण, स्वच्छता, विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं तथा अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा की गई।अप्रारंभ आवासों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देशप्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि स्वीकृति के बावजूद जिन हितग्राहियों ने आवास निर्माण प्रारंभ नहीं किया है, उनके प्रकरणों में नियमानुसार वसूली की कार्रवाई पूर्ण कर आवास निरस्तीकरण के लिए प्रस्ताव भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण प्रारंभ कराने और निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने में पंचायत सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका है। द्वितीय किश्त प्राप्त कर चुके हितग्राहियों के आवास भी समय पर पूर्ण कराए जाएं।उन्होंने पंचायत सचिवों को हितग्राहियों से सतत संपर्क बनाए रखने, निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने तथा निर्माण में आ रही बाधाओं का समय रहते निराकरण कराने के निर्देश दिए, ताकि पात्र परिवारों को पक्के आवास का लाभ मिल सके।नाहटा ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, जल संचयन और जलस्रोतों के संवर्धन से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में बालिका शौचालयों का निर्माण तत्काल प्रारंभ कराने तथा लंबित कार्यों को तेजी से पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्राओं के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करना आवश्यक है।बैठक में सैंड फिल्टर, सोख्ता गड्ढों तथा अन्य स्वच्छता एवं जल प्रबंधन संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। लगभग 50 लाख रुपये की सीमा वाले स्वीकृत कार्यों सहित संबंधित निर्माण कार्यों की सूची तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

आदिवासी समाज को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाए:विमल सलाम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 22 अक्टूबर । छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (UCC) को लेकर आदिवासी समाज में अपनी पारंपरिक व्यवस्था, सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक अधिकारों को लेकर चिंताएं सामने आ रही हैं। आदिवासी कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव विमल सलाम ने मांग की है कि अनुसूचित जनजातियों को प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर रखा जाए।

विमल सलाम ने कहा कि आदिवासी समाज का यह आग्रह किसी अन्य समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक रीति-रिवाजों और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। विभिन्न जनजातीय समुदायों की विवाह, पारिवारिक संबंधों, उत्तराधिकार और सामाजिक विवादों के समाधान से जुड़ी अपनी-अपनी परंपराएं हैं। किसी भी समान कानून को लागू करने से पहले इन विशिष्ट



परिस्थितियों को समझना और आदिवासी समाज से व्यापक चर्चा करना आवश्यक है।

क्या है CC और आदिवासी समाज की चिंता?

समान नागरिक संहिता का उद्देश्य विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे नागरिक एवं पारिवारिक मामलों में समान कानूनी व्यवस्था स्थापित करना है। संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को इस दिशा में प्रयास करने का निर्देश दिया गया है।विमल सलाम के अनुसार, समानता के उद्देश्य के साथ भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान भी जरूरी है। यदि आदिवासी समाज की रूढ़िगत प्रथाओं के संरक्षण का पर्याप्त प्रावधान नहीं किया गया, तो इससे उनकी सामाजिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

संवैधानिक संरक्षण और पारंपरिक अधिकारों का सवाल

भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची, अनुच्छेद 244, अनुच्छेद 29 और पेसा अधिनियम, 1996 सहित विभिन्न प्रावधान आदिवासी समुदायों के हितों और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े हैं। हालांकि, इन प्रावधानों से छ्ष्ट के संबंध में स्वतः पूर्ण छूट नहीं मिलती। ऐसे में प्रस्तावित कानून में अनुसूचित जनजातियों की स्थिति को स्पष्ट करना जरूरी है।उन्होंने कहा कि बस्तर, सरगुजा और अन्य आदिवासी बहुल क्षेत्रों में गोंड, मुरिया, माड़िया, हल्बा, बैगा, उरांव और कंवर सहित अनेक जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी अपनी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक व्यवस्थाएं हैं। कानून बनाते समय इन विविधताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

आदिवासी कांग्रेस की प्रमुख मांगें- आदिवासी कांग्रेस की ओर से प्रमुख मांगें रखी गई हैं - 1. अनुसूचित जनजातियों को प्रस्तावित कानून के दायरे से स्पष्ट छूट दी जाए।2. पारंपरिक रीति-रिवाजों को कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए।3. बस्तर से सरगुजा तक ग्रामसभाओं और सामाजिक संगठनों से व्यापक चर्चा की जाए।4. प्रस्तावित कानून का प्रारूप सार्वजनिक कर पारदर्शी परामर्श किया जाए।विमल सलाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जल, जंगल, जमीन से जुड़े जीवन से है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता में आदिवासी समाज की परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा किस प्रकार की जाएगी।

जिले के पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित नक्सली की संदिग्ध हालत में हुई मौत



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 22 अक्टूबर। जिले के पुनर्वास केंद्र में आज बुधवार को प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एक आत्मसमर्पित नक्सली की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतक की पहचान नरसू बोड्डू उर्फ नैती उम्र 26 साल के रूप में हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह 23 जुलाई 2026 से पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था, बुधवार सुबह उसकी मौत की सूचना बीजापुर पुलिस को मिली है। घटना की जानकारी मिलते ही एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम और थाना बीजापुर पुलिस मौके पर पहुंचकर पुलिस के साथ मामले की जांच कर रही है।

मृतक के भाई साकेत कुमार बोड्डू ने घटना को लेकर संदेह जताया है, उनका कहना है कि परिवार को जानकारी मिली कि नरसू ने पुनर्वास केंद्र के बाथरूम में जान दे दी। मेरे भाई को वर्ष 2025 में आत्मसमर्पण कराने के लिए लाया गया था। इसके बाद पुनर्वास प्रक्रिया के तहत उन्हें घर भेजे जाने और फिर अगस्त में पुनर्वास केंद्र बुलाए जाने की जानकारी दी गई। परिवार को बुधवार को नरसू की मौत की सूचना मिली। मृतक के भाई का दावा है कि नरसू को अगले दिन घर भेजे जाने की बात कही जा रही थी। ऐसे में परिवार को उम्मीद थी कि वह जल्द ही अपने परिजनों के बीच लौटेगा। साकेत का कहना है कि नरसू के छोटे-छोटे बच्चे, पत्नी और बुजुर्ग पिता हैं। परिवार को लगता है कि घर लौटने की खुशी के बीच वह ऐसा कदम क्यों उठाता। इन्हीं परिस्थितियों का हवाला देते हुए मृतक के भाई ने मौत को लेकर आशंका जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच की जरूरत बताई है एएसपी अभिषेक कुमार ने बताया कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है, मौके पर एफएसएल की टीम भी जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सिरहासार के मुरिया दरबार में पहली बार शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जगदलपुर, 22 अक्टूबर । विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के इतिहास में शुक्रवार को एक स्वर्णिम और अभूतपूर्व अध्याय जुड़ने जा रहा है, जब देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सिरहासार में आयोजित होने वाले पारंपरिक मुरिया दरबार में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। बस्तर की सदियों पुरानी समृद्ध परंपरा और लोकतांत्रिक व्यवस्था के इस ऐतिहासिक मंच पर पहुँचने वाली वे देश की पहली राष्ट्रपति होंगी।

इस गौरवशाली अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति बस्तर अंचल के पारंपरिक सामाजिक संरक्षकों और जनप्रतिनिधियों, मांझी-चालकी, नाइक-पाइक और मेंबर-मेंबरिन से रूबरू होकर उनसे आत्मीय संवाद करेंगी। अंचल के इन जमीनी प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह सीधी चर्चा बस्तर की अनूठी सांस्कृतिक धरोहर और जनजातीय पहचान के सम्मान का एक सशक्त प्रतीक बनेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 अक्टूबर को जगदलपुर आगमन

जगदलपुर, 22 अक्टूबर । जगदलपुर के सिरहासार में शुक्रवार 23 अक्टूबर को आयोजित मुरिया दरबार तथा लालबाग में आयोजित आमसभा में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आगमन होगा। शहर में आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के प्रवास के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। सुबह 07 बजे से शाम 05 बजे तक प्रभावी रहने वाली इस व्यवस्था के तहत सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई हैए ताकि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना प?ो। इस अवधि के दौरान शहर के भीतर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा जबकि एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं से जु? वाहनों को सभी प्रकार के प्रतिबंधों से पूर्ण छूट प्रदान की गई है।

यात्री बसों दोपहिया और चारपहिया छोटे वाहनों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 30 ;जगदलपुर.रायपुर मार्गद्ध की ओर जाने वाले सामान्य आवागमन में बदलाव किया गया हैए जिसके तहत वाहन बोधघाट थाना के पीछे हाटकचोरा रोड से होकर गुजरेंगे क्योंकि लालबाग मार्ग पर सामान्य आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही शहर के मुख्य मार्गों पर समय.सारणी के अनुसार चरणबद्ध प्रतिबंध लागू किए गए हैं। सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक कुम्हारपारा चौकए शहीद पार्कए स्टेट बैंक चौकए दंतेश्वरी मंदिरए गोलबाजार चौकए मिताली चौक और सिरहासार भवन से स्वर्गीय बलीराम कश्यप चौक तक आवागमन बंद रहेगा। इसके बाद सुबह 11 बजे से दोपहर 04 बजे तक सिरहासार भवन से स्वर्गीय बलीराम कश्यप चौक ए सर्किट हाउस चौक भंगाराम चौक आईजीपी बंगला तिराहाए पुलिस ऑफिसर्स मेस तिराहा और लालबाग हाउसिंग बोर्ड तिराहा तक प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। वहीं दोपहर 01 बजे से शाम 04 बजे के बीच पुलिस आईजी बंगला तिराहा से कोतवाली मार्गए त्रिवेणी परिसरए पुलिस पेट्रोल पंप से झंकार टॉकीज तिराहा और शहीद पार्क से कुम्हारपारा चैक तक का मार्ग बंद रखा जाएगा। इन सभी प्रतिबंधित मार्गों के विकल्प के रूप में आम जनता चांदनी चौक से होकर बोधघाट थाना के पीछे हाटकचोरा मार्ग से नेशनल हाईवे 30 की ओर आवागमन कर सकेगी। स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए कुम्हारपारा चौक से बोधघाट थाना मार्गए जमाल मिल तिराहा से एफसीआई गलीए महावीर चैक से दुर्गा चौक,स्टेट बैंक चैक से भंगाराम चैक तथा भंगाराम चैक से पथरागुड़ा की ओर क्रॉसिंग की सुविधा निर्धारित की गई है जिसे विशेष परिस्थितियों या सुरक्षा कारणों से आवश्यकता पड़ने पर रोका भी जा सकता है।

समाचार संक्षेप

सर्पदंश प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर 22 अक्टूबर। कलेक्टर विश्वदीप द्वारा छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के तहत् राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं से मृतकों के परिजनों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके अंतर्गत सर्पदंश से मृत्यु में मृतिका सरिता बारसे के पिता श्री जोगा राम बारसे, मृतक ओयाम मधु के पिता श्री ओयाम कोपा एवं मृतिका सुहानी पोयाम के पिता श्री बुधराम पोयाम सहित प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रूपये कुल 12 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

युवा रत्न सम्मान के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

बीजापुर 22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को ''युवा रत्न सम्मान'' प्रदान किया जाएगा। इसके लिए जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से 30 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

युवा रत्न सम्मान के अंतर्गत असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्यों के लिए युवाओं को ''2.50 लाख रुपए तथा स्वैच्छिक संगठनों को 5 लाख रुपए'' की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। वहीं सामाजिक कार्य, साहित्य, उद्यमिता, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन उत्थान, कला-संगीत एवं लोककला जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1 लाख रुपए की सम्मान राशि निर्धारित है।इच्छुक एवं पात्र युवा तथा स्वैच्छिक संगठन निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों के साथ 30 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय कलेक्टर (खेल एवं युवा कल्याण), जिला बीजापुर में आवेदन जमा कर सकते हैं। पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

कांकेर, 22 अक्टूबर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के संबंध में कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर 2026 गुरूवार तथा अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 सोमवार को किया जाएगा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण 02 नवम्बर 2026 तक, प्रारंभिक प्रकाशन की तिथि 12 नवम्बर 2026 दिन गुरूवार, दावे-आपत्ति प्राप्त करने की तिथि 12 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2026 तक एवं दावे आपत्तियों का निराकरण 28 दिसम्बर 2026 सोमवार तथा फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 सोमवार को किया जाएगा।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी युवा पात्र मतदाता तथा छूटे हुए मतदाता संबंधित मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम अथवा https://voters.eci.gov.in/ के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन तथा विलोपन करने के संबंध में समय-सीमा में सभी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

26 किलो गांजा के साथ तीन आरोपित गिरफ्तार

जगदलपुर, 22 अक्टूबर। बस्तर जिले में गांजा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए नानगुर पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गांजा परिवहन करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 26 किलो 160 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर तीनों आरोपियों को विशेष एनडीपीएस न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से गांजा का परिवहन कर रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद थाना नानगुर पुलिस और एएनटीएफकी संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान साधन शाहा 48 वर्ष निवासी पंगाम जिला मलकानगिरी ओडिशा राजबहादुर सिंह 46 वर्ष निवासी कुशमहरए जिला सीधी मध्यप्रदेशऔर इंद्रपाल जायसवाल निवासी दरीमाडोल मध्यप्रदेश के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों की तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 26.160 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 1 लाख 30 हजार 800 रुपये बताई गई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पुलिस स्मृति दिवस पर वीर जवानों की शहादत को किया नमन, शहीद परिवारों का सम्मान,बच्चों की छात्रवृत्ति और परिजनों की समस्याओं के निराकरण के निर्देश

वीर शहीद जवानों को सलाम कर नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 22 अक्टूबर। देश की आंतरिक सुरक्षा की रक्षा करते हुए प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों की शहादत को बीजापुर ने नमन किया। पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शहीदों के नामों का वाचन किया गया। शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई और दो मिनट का मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। इस दौरान शहीद जवानों के परिजनों को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। वीरों की शहादत को याद करने के साथ उनके परिवारों की समस्याओं के समाधान और बच्चों की शिक्षा पर भी जोर दिया गया।

देशभर में 154 जवानों ने दिया सर्वोच्च बलिदान

पुलिस विभाग के अनुसार, 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच देशभर में आंतरिक सुरक्षा के दौरान सशस्त्र एवं अर्द्धसैनिक बलों के



154 जवान शहीद हुए। इनमें छत्तीसगढ़ के छह जवान शामिल हैं। बीजापुर जिले में माओवादी घटना के दौरान जिला बल के दो जवानों ने प्राणों की आहुति दी। इनमें थाना नैमेड़ क्षेत्र के कचिलवार जंगल में माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद प्रधान आरक्षक बड़दी मोहन और आरक्षक दुकारू राम गोंदे शामिल हैं।

एसपी ने पढ़े शहीदों के नाम, स्मारक पर अर्पित की नामावली

पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने शहीद जवानों की नामावली का वाचन किया। इसके बाद नामावली शहीद स्मारक को अर्पित की गई। सलामी के बाद उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र और पुष्प अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया गया।

शहीद परिवारों से मिले अधिकारी, हरसंभव मदद का भरोसा दिया

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के वनमंडलाधिकारी सुमेद सुरवाड़े, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रविन्द्र कुमार मीणा, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, एसडीएम राकेश साहू और जिला भाजपा अध्यक्ष घासीराम नाग ने शहीद परिवारों से मुलाकात की। परिजनों को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।अधिकारियों ने शहीद परिवारों को मिलने वाले स्वत्वों एवं देय राशि के भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया गया। साथ ही, शहीद जवानों के बच्चों को छात्रवृत्ति दिलाने के लिए शिक्षा विभाग को आवेदन भेजने के निर्देश दिए गए।

जिन स्कूलों में पढ़े शहीद जवान वहां भी किया गया नमन

शहीदों की स्मृति को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में उन विद्यालयों में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां शहीद जवानों ने शिक्षा ग्रहण की थी। विद्यालयों में वीर जवानों को याद कर उनके साहस, समर्पण और देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठा को नमन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, अर्द्धसैनिक बल, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पुलिस स्मृति दिवस पर बीजापुर ने संदेश दिया कि देश की सुरक्षा में शहीद हुए जवानों का बलिदान सदैव याद रखा जाएगा और उनके परिवारों के सम्मान एवं सहायता की जिम्मेदारी भी समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है।

एक नजर

विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत संविदा पदों भर्ती के लिए आवेदन 10 नवंबर तक

रायगढ़, 22 अक्टूबर। विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर रिक्त संविदा पदों पर भर्ती के लिए पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आयुक्त, विकसित भारत जी राम जी, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार यह भर्ती रायगढ़ एवं नवीन जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के अंतर्गत की जाएगी। आवेदन प्रक्रिया 16 अक्टूबर 2026 से शुरू हो गई है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है।

भर्ती के अंतर्गत कंप्यूटर प्रोग्रामर, कार्यक्रम अधिकारी, सहायक प्रोग्रामर एवं लेखापाल के रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायगढ़, पिन कोड 496001 के नाम से भेजना होगा। आवेदन कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय के दौरान 10 नवंबर को शाम 5.30 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

समान नागरिक संहिता पर संभाग स्तरीय परामर्श बैठक 28 अक्टूबर को बिलासपुर में

रायगढ़, 22 अक्टूबर । छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और इसका प्रारूप तैयार करने के संबंध में 28 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे से देवकी नंदन दीक्षित सभागृह लाल बहादुर शास्त्री स्कूल बिलासपुर में संभाग स्तरीय समूह चर्चा एवं परामर्श बैठक आयोजित की गई है। राज्य शासन द्वारा गठित समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में विभिन्न संगठनों और समाज के प्रतिनिधियों से विचार एवं सुझाव लिए जाएंगे।बैठक में बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, सक्ती और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक संगठनों के प्रमुखों के साथ शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित नागरिकों, विशिष्ट नागरिकों, गणमान्य नागरिकों तथा निगम, मंडल एवं आयोगों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन ने 25 जून 2026 की अधिसूचना द्वारा सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

टैक्सी ड्रायवर प्रशिक्षण के लिए आवेदन 24 अक्टूबर तक

धमतरी, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में टेक्सी ड्रायवर का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सहायक परियोजना अधिकारी, लाईवलीहुड कॉलेज ने बताया कि 18 से 45 वर्ष तक की आयु के, कम से कम दसवीं पास युवा इस प्रशिक्षण के लिए आगामी 24 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्ता, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड की फोटोकॉपी और पासपोर्ट साईज फोटो के साथ आवेदन सिविल कोर्ट के पास स्थित लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में जमा किया जा सकता है।

मीना बाजार में झूले से गिरने से युवक की मौत, भ्रष्ट व्यवस्था की खुली पोल

पुलिस व झूला संचालक अपनी खाल बचाने के लिए घटिया हथकंड अपना रहे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के खरसिया नगर पालिका प्रांगण में विजयादशमी के पावन पर्व पर लगा मीना बाजार मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मौत का फंदा साबित हुआ है। यहाँ कल मंगलवार शाम को आकाश झूले से गिरकर 39 वर्षीय एक मजदूर-पेशे हलवाई की दर्दनाक मौत हो गई, जिसने झूला संचालकों की आपराधिक लापरवाही और स्थानीय प्रशासन के भ्रष्ट चरित्र को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। मृतक की पहचान खरसिया के पठान पारा निवासी नकुल निषाद (पिता रामप्रसाद निषाद) के रूप में हुई है, जो अपने परिवार के साथ मेला देखने गया था, किंतु वह जिंदा वापस घर नहीं लौट सका प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नकुल जब आकाश झूले की ऊंचाई पर था, तो अचानक झटके के साथ वह नीचे आ गिरा।

सिर और शरीर पर गंभीर चोटें लगने से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अब पुलिस और झूला संचालक अपनी खाल बचाने के लिए घटिया हथकंडे अपना रहे हैं। पुलिस का यह दावा कि युवक नशे में था और झूले पर नाच रहा था सीधे तौर पर प्रशासनिक असंवेदनशीलता और लीपा पोती का घटिया प्रयास है यदि पुलिस की थ्योरी को ही सही मान लिया जाए तो सबसे बड़ा सवाल यह हैं कि यदि वह युवक शराब के नशे में था, तो टिकट काउंटर के गार्ड और झूला संचालकों ने उसे झूले पर बैठने की इजाजत क्यों दी क्या पैसे कमाने की हवस में इंसानी जिंदगी की कोई कीमत नहीं है क्या इसके लिए झूला व मीना बाजार संचालक के खिलाफ लापरवाही एवं गैर इरादतन हत्या का मामला नहीं बनता क्यों इन पर कार्यवाही करने से पुलिस बचना चाहती है यदि उसकी नजर में युवक का शराब पीना जुर्म हे तो उसे शराब के नशे में झूले पर बैठने देना भी अपराध है सवाल तो यह भी है कि बिना किसी पुख्ता तकनीकी सुरक्षा, फिटनेस सर्टिफिकेट और मानकों के मौत के ये झूले किसके संरक्षण में हवा में लटकाए जाते हैं जबकि इन झूलो के कारण पहले भी हादसे होते रहे हैं।यह कोई पहली घटना नहीं है। रायगढ़ और खरसिया अंचल में लगने वाले मीना बाजारों की दास्तान हमेशा से लूट खसोट व भ्रष्टाचार से भरी है। प्रशासन की आँखों के सामने नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जाती हैं, क्योंकि इस अवैध धंधे में ऊपर से नीचे तक सबकी हिस्सेदारी सेट है। क्या प्रशासन भूल गया है कि पिछले साल रायगढ़ में मीना बाजार के दौरान 60 फीट ऊपर हवा में झूला अचानक खुल गया था तब पाँच से अधिक लोग घंटों हवा में अधर में लटके रहे थे और बाद में क्रेन की मदद से उनकी जान बचाई गई थी। तब कौन सी कार्रवाई हुई थी क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है रायगढ़ में लगने वाले इन मीना बाजारों का स्थानीय रहवासियों द्वारा हमेशा पुरजोर विरोध किया जाता रहा है। यहां तक की हाईकोर्ट में याचिका तक लगाई गई। आयोजन पर रोक लगने के बावजूद भ्रष्ट अधिकारियों ने बैक डेट में परमिशन दे कर अदालत के आदेश को भी मजाक बना दिया था।जिले में लगने वाले सभी मीना बाजार पूरी तरह से नियम-विरुद्ध और गैर-कानूनी हैं जिसे नियम कायदे ताक पर रख कर परमिशन दिया जाता है इसके एवज में आयोजक अधिकारियों की भरपूर सेवा करते हैं ओर अधिकारी सारी विसंगतियों की अनदेखी कर इन्हें वैधता का चोला पहना देते हैं क्या कोई अधिकारी बिना किसी निहित स्वार्थ के आउट ऑफ वे जाकर इन जान लेवा आयोजनों की फाइल पास करेगा इसके अलावा मीना बाजार अवैध उगाही व टैक्स चोरी का सबसे बड़ा अड्डा है। हर साल यहाँ से लाखों- करोड़ों का काला कारोबार होता है और जीएसटी चोरी के मामले सामने आते हैं। परंतु अधिकारी संचालकों को क्लीन चिट देने के लिए महज दो-चार लाख का जुर्माना या टैक्स पटवा कर पूरे मामले को रफा-दफा कर देते हैं। सवाल यह है कि मीना बाजार के संचालक जीएसटी विभाग या स्थानीय प्रशासन के फूफा या जीजा तो है नहीं जो मुफ्त में उन पर इतनी मेहरबानी की जाती है देखा जाए तो मीना बाजार प्रशासनिक भ्रष्टाचार का खुला अड्डा है जो हर साल बेखौफ चल रहा है। अधिकारियों की इस आपराधिक चुप्पी और खुली छूट ने साबित कर दिया है कि जनता की जिंदगी की उनकी नजर में कोई औकात नहीं है अब देखना यह है कि इस खौफनाक हादसे के बाद भी क्या सिर्फ खानापूर्ति की कार्रवाई होगी, या फिर इस जानलेवा सिंडिकेट और भ्रष्ट अधिकारियों की गर्दन तक कानून के हाथ पहुँचेंगे सवाल गंभीर है, और जनता जवाब माँग रही है।

डाक्टर व पैरामेडिकल स्टॉफ का शाल वो चुनरी से किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 22 अक्टूबर। शक्ति, भक्ति और साधना के पावन महापर्व शारदीय नवरात्रि के दौरान रायगढ़ में मातृत्व और देवी आराधना का अत्यंत दुर्लभ व अलौकिक दृश्य देखने को मिला। मारवाड़ी युवा मंच महिला संस्कृति शाखा रायगढ़ द्वारा इस पवित्र पर्व पर एक प्रेरणा दायी आध्यात्मिक एवं सामाजिक पहल की गई। संस्था की ऊर्जावान महिलाओं ने रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के मातृ एवं शिशु वार्ड में पहुँचकर नवरात्रि के नौ दिनों में जन्मी 26 नवजात कन्याओं के देवी स्वरूप का भावपूर्ण अभिनंदन किया इसके साथ ही,नवजात कन्याओं की देखरेख में दिन-रात समर्पित चिकित्सकों (डॉक्टरों) और पैरामेडिकल स्टाफ का भी चुनरी एवं शॉल के साथ स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया तथा उपहारों का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था की महिलाओं ने मरीजों के जल्द स्वास्थ्य होने की कामना के साथ फलों का वितरण किया ?यह संपूर्ण सेवा कार्यक्रम संस्था की अध्यक्षा दीप्ति गुप्ता के कुशल नेतृत्व में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। दीप्ति गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा नवरात्रि का पर्व शक्ति और देवी स्वरूप की उपासना का महापर्व है। हमारी संस्कृति में बेटियों को लक्ष्मी और दुर्गा का रूप माना गया है। मेडिकल कॉलेज में नवरात्रि के इन नौ पावन दिनों में जन्मी 26 नवजात कन्याएं साक्षात देवी का आशीर्वाद हैं। मारवाड़ी युवा मंच संस्कृति शाखा हमेशा बेटियों के संरक्षण, संवर्धन और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रही है। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का यह योगदान सराहनीय है, जो निरंतर सेवा भाव से जन-कल्याण में जुटे हुए हैं।

संस्था ने नवजात शिशुओं व उनकी माताओं की सुविधा हेतु आवश्यक उपयोगी किट एवं उपहार सामग्री वितरित की इस कार्यक्रम में संस्था की सभी महिलाओं ने भाग लिया ओर नवजात कन्याओं एवं माताओं के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की इस आयोजन को सफल बनाने में दीप्ति गुप्ता, राखी गुप्ता,अंजू अग्रवाल, रेखा जैन, एवं पिंकी कुसमरा का विशेष योगदान रहा ।

किसान सम्मान निधि से खेती-किसानी को मिल रहा संबल, भगत राम पटेल ने जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 अक्टूबर। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को खेती-किसानी से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। रायगढ़ जिले के ग्राम कछार निवासी किसान भगत राम पटेल के लिए भी यह सहायता उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत मिलने वाली राशि से खेती के दौरान खाद, दवाइयों और फसलों की देखभाल से जुड़े खर्चों को पूरा करने में मदद मिलती है।



तीन किस्तों में मिलते हैं सालाना 6 हजार रुपये

भगत राम पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत उन्हें सालभर में 6 हजार रुपये तीन किस्तों में प्राप्त होते हैं। प्रत्येक किस्त में 2 हजार रुपये मिलते हैं। खेती के दौरान फसलों में दवाइयों के छिड़काव और अन्य जरूरी कृषि कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती है। ऐसे में योजना की राशि इन जरूरतों को पूरा करने में सहायक होती है।

किसानों के लिए आर्थिक सहारा

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में दी जाती है। इसका उद्देश्य किसानों को कृषि संबंधी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है। योजना से लाभान्वित किसान भगत राम पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से मिलने वाली राशि खेती-किसानी के कार्यों में मददगार है।

23 अक्टूबर को होगा 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम, विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर होगी चर्चा

रायगढ़, 22 अक्टूबर । छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में युवाओं को विकसित भारत ॠ2047 के विजन से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायगढ़ में 23 अक्टूबर 2026 को 'युवा उड़ान कार्यक्रम-2026' का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम शुक्रवार को प्रातः 11 बजे संत बाबा प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम, रायगढ़ में होगा। कार्यक्रम की थीम 'युवाओं से संवाद, विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प' है।

शासन की योजनाओं और विकास के मुद्दों पर होगी परिचर्चा

युवा उड़ान कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं, युवा हितैषी पहलों और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही 'विकसित छत्तीसगढ़-विकसित भारत', 'एक देश-एक चुनाव' तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श होगा। आमंत्रित विषय विशेषज्ञ युवाओं के साथ अपने विचार साझा करेंगे। साथ ही युवाओं को संवाद, प्रश्नोत्तर और अपने सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

विभिन्न क्षेत्रों के युवा होंगे सहभागी

कार्यक्रम में 16 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की सहभागिता पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसमें विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थी, महाविद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी, इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई के विद्यार्थी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त कला, साहित्य, संस्कृति एवं खेल के क्षेत्र में प्रतिभा दिखाने वाले युवा, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, कौशल विकास प्रशिक्षणार्थी, दिव्यांगजन तथा अन्य वर्गों के युवाओं की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा, विचारों और रचनात्मक ऊर्जा को जिले एवं प्रदेश के विकास से जोड़ना है। इसके माध्यम से युवाओं को अपने विचार रखने, सवाल पूछने तथा विकास से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा में भाग लेने का मंच मिलेगा।

युवाओं के सुझावों को मिलेगा महत्व

कार्यक्रम के दौरान युवाओं से प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों एवं निष्कर्षों का संकलन कर प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। इसे आगामी नीतिगत क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग को प्रेषित किया जाएगा।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए प्रविष्टियां 25 अक्टूबर

धमतरी, 22 अक्टूबर। समाज कल्याण विभाग द्वारा 3 दिसम्बर को ''अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न श्रेणियों में ''दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार'' दिया जाएगा। इसके तहत उत्कृष्ट कर्मचारियों, दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाली स्वैच्छिक संस्थाओं, नियोक्ताओं तथा सर्वोत्तम जिला संवर्ग में आवेदन मंगाया गया है।

अब प्रत्येक शुक्रवार को अनुभाग स्तर पर होगा जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

■ 23 अक्टूबर से सुबह 11 बजे होगा आयोजन, सभी विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 22 अक्टूबर । कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को प्रत्येक शुक्रवार को अनुभाग स्तर पर नियमित रूप से जनदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत आगामी 23 अक्टूबर शुक्रवार से प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 11 बजे संबंधित अनुभाग मुख्यालय में जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार उक्त जनदर्शन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इसमें संबंधित अनुभाग के समस्त विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी, ताकि आम नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का विधिवत पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए आवेदक का नाम, आवेदन का विषय, संबंधित विभाग तथा निराकरण की स्थिति का व्यवस्थित अभिलेख संधारित किया जाएगा। जिन आवेदनों का निराकरण मौके पर संभव होगा, उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा। वहीं, शेष आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा निर्धारित कर निराकरण के लिए भेजा जाएगा।

लंबित आवेदनों की होगी समीक्षा

प्रत्येक जनदर्शन में पूर्व में प्राप्त लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा भी की जाएगी। आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों से कारण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही जनदर्शन के निर्धारित दिवस, समय एवं स्थान का नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों तथा अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

जनदर्शन के बाद जिला कार्यालय को देना होगा प्रतिवेदन

प्रत्येक जनदर्शन के आयोजन के बाद संबंधित अधिकारियों को प्राप्त कुल आवेदनों, मौके पर निराकृत आवेदनों, संबंधित विभागों को भेजे गए आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी।

सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को जनदर्शन का नियमित एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने कहा गया है। जनदर्शन में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति अथवा आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। इस पहल से नागरिकों को अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए अनुभाग स्तर पर नियमित अवसर उपलब्ध होगा।

रावघाट तक ट्रेन पहुंचना बरसों से देखे जा रहे सपने के साकार होने जैसा है

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 22 अक्टूबर। रावघाट तक रेल सेवा शुरू होना बस्तर अंचल के ग्रामीणों के लिए केवल आवागमन का नया साधन नहीं, बल्कि वर्षों से देखे जा रहे सपनों के साकार होने जैसा है। दुर्गम और पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे इस क्षेत्र में रेल पहुंचने से अब ग्रामीणों को कम खर्च में यात्रा करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए अवसरों तक पहुंचने की उम्मीद जगी है। कल तक जिन लोगों के लिए ट्रेन को नजदीक से देखना भी किसी उत्सुकता से कम नहीं था, वे अब उसी ट्रेन में बैठकर अपने गंतव्य तक सफर कर रहे हैं। पहली बार ट्रेन में सफर करने वाले ग्रामीणों की खुशी इस बदलाव की सबसे सुंदर तस्वीर पेश करती है। रेल सेवा शुरू होने से रावघाट क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। आबूझमाड़ क्षेत्र के रावघाट तक ट्रेन पहुंचना बस्तर अंचल में विकास, संपर्क और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पहली बार ट्रेन में बैठीं तीन सहेलियां, चेहरे पर दिखी खुशी

विकासखंड अंतागढ़ के ग्राम फूलपाड़ निवासी श्रीमती प्रेमबती गावड़े, श्रीमती बज्जय कौड़ो और श्रीमती सईते नुरेटी ने पहली बार ट्रेन में सफर किया। डेमो टिकट लेकर अंतागढ़ तक की यात्रा करने वाली तीनों सहेलियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ट्रेन में बैठकर सफर करना उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। इसी तरह कुमारी समीना कावड़े ने भी पहली बार रेल यात्रा की और इस नए अनुभव को लेकर खुशी जाहिर की। इन महिलाओं के लिए यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में पहली बार रेल सफर करने की यादगार अनुभूति भी रही।

ग्रामीणों के आवागमन हुआ आसान, अब सस्ते में कर सकेंगे सफर

रावघाट से लगे ग्राम आतुरबेड़ा निवासी श्री सोनू उसेंडी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ÷हम रावघाट से लगे हुए गांव के रहने वाले हैं। हमारे लिए ट्रेन में बैठना किसी सपने के सच होने जैसा है। हमारे गांव के कई लोगों ने पहले कभी ट्रेन को करीब से नहीं देखा था, लेकिन आज वे इसमें सफर कर पा रहे हैं। हम सभी ग्रामीण बस में बैठकर ट्रेन देखने आए थे और अब हमें इसमें यात्रा करने का अवसर भी मिल रहा है।÷ उन्होंने कहा कि रेल सेवा शुरू होने से अब ग्रामीणों को इलाज के लिए दूसरे शहरों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। कम खर्च में यात्रा कर सकेंगे और परिवहन पर होने वाले खर्च में भी बचत होगी। उन्होंने इस सुविधा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्राओं को मिलेगी बड़े शहरों तक पहुंचने की नई राह

रेल सेवा शुरू होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों में भी उत्साह है। ग्राम ताड़ोकी निवासी कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी गायत्री नुरेटी और नारायणपुर निवासी कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी मीनाक्षी उसेंडी ने भी पहली बार ट्रेन में सफर किया। दोनों छात्राओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें अपने क्षेत्र से बड़े शहरों तक जाने का बेहतर अवसर मिलेगा।

एग्रीस्टैक में किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन और धान खरीदी की तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 अक्टूबर। जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले में संचालित शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करने और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, धान खरीदी, निर्माण कार्यों, राजस्व प्रकरणों और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए किसानों एवं उनके खसरों का एग्रीस्टैक में शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीसीएस फेस-1, फेस-2 तथा बकेट क्लेम की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने डीसीएस संबंधी कार्यों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले एसडीएम एवं तहसीलदारों के प्रयासों की सराहना भी की। उन्होंने धान खरीदी शुरू होने से पहले सभी उपार्जन समितियों में सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों के खेतों के लैटीटयूड लांगीटयूड संबंधी विवरण की प्रविष्टि निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा।

स्वास्थ्य एवं पोषण सुविधाओं में होगा सुधार

कलेक्टर ने पोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में संचालित 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान की समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में मुनगा का पौधा लगाने के लिए आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्यालयों में शिविर आयोजित करने तथा दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड का लाभ दिलाने के लिए 'सुगम्य सवेरा' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया।बैठक में जिले के विद्यालयों में खराब पड़े स्मार्ट बोर्डों की मरम्मत एवं आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें। कलेक्टर ने जर्जर स्कूल भवनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए खनन प्रभावित क्षेत्रों में चिन्हांकित विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने विद्यालयों एवं उनके आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा आश्रमों एवं छात्रावासों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने और निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने को कहा। सड़क एवं अन्य अधूरे निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होने देने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से संबंधित परियोजनाओं और निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्माण स्थलों पर कार्यों की जानकारी देने वाले उपयुक्त सूचना बोर्ड लगाने को कहा गया। इसके साथ ही स्किल गैप असेसमेंट के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने शासकीय भूमि, सीमांकन और अवैध कब्जों से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अवैध रेत उत्खनन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश देते हुए उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों के निराकरण में गंभीरता बरतने को कहा।



31 दिसंबर तक चलेगा वित्तीय समावेशन योजनाओं का संतृप्ति अभियान

जिले में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और केंद्र सरकार की प्रमुख वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक संतृप्ति अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा।

जनगणना प्रशिक्षण की तैयारियों की समीक्षा

आगामी जनगणना से संबंधित प्रशिक्षण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने प्रशिक्षण को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रक्रियाओं और दायित्वों की स्पष्ट जानकारी दी जाए, ताकि कार्यों का सुचारु संचालन सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे, अपर कलेक्टर डॉ.प्रियंका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल, डिप्टी कलेक्टर श्री धनराज मरकाम एवं सुश्री शिल्पा भगत सहित जिला स्तरीय विभागीय

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 12 नवंबर से, 4 जनवरी को होगा अंतिम प्रकाशन

धमतरी, 22 अक्टूबर । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों 56-सिहावा (अजजा), 57-कुरूद और 58-धमतरी में फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर होने वाली इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, अपात्र नामों को विलोपित करने और प्रविष्टियों में संशोधन का कार्य किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर पुनरीक्षण प्रक्रिया तथा मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में जानकारी दी गई।निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की कार्रवाई 2 नवंबर 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद 12 नवंबर को निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक नाम जोड़ने, विलोपन और संशोधन के लिए दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मिलेगा अवसरविशेष पुनरीक्षण के दौरान ऐसे युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर मिलेगा।

जोगी कुआं सतनाम धाम बैकुंठ में धूमधाम से मनाई गई विजयादशमी

110 महिलाओं ने श्वेत वस्त्र धारण कर शोभायात्रा में लिया हिस्सा, सांस्कृतिक कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 22 अक्टूबर। बैकुंठ स्थित जोगी कुआँ सतनाम धाम में विजयादशमी का पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम बहेसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें 110 महिलाओं ने श्वेत वस्त्र धारण कर भाग लिया। डीजे की धुन पर उत्साह के साथ थिरकते हुए श्रद्धालु पालो लेकर जोगी कुआँ धाम पहुंचे। शोभायात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम के अंतर्गत जोगी कुआँ धाम के सांस्कृतिक मंच पर डॉ. राजेंद्र रंगीला के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दर्शकों से पूरा मैदान खचाखच भरा रहा। आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से सतनामी समाज के लोगों ने मेले में शामिल होकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

इस दौरान जोगी कुआँ धाम सतनाममय हो गया। श्रद्धालुओं की उपस्थिति, शोभायात्रा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को विशेष बना दिया।



कार्यक्रम में ग्राम बहेसर की सरपंच सविता सेवक बर्मन सहित साधेलाल डहरिया, बिसराम कुर्रे, लालाराम गेंडरे, शिवकुमार टंडन, चरण दास चेलक, कृष्णा राय, रोमदास बर्मन, रुवेल सोनवानी, देवेंद्र बघेल, रोहित आडील, कबीर चेलक, सुधीर चेलक, संजू चेलक, भगवती भारती, विनोद गायकवाड़, भगवान दास सोनवानी, रामकुमार लहरे, गंगाराम बंजारे, दिनेश बंजारे, गोविंद बर्मन, मनोज कुर्रे और ताराचंद बंजारे सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी एवं संचालन धर्मगुरु बालकदास सतनाम सेवा समिति के अध्यक्ष तथा भाजपा तिल्दा ग्रामीण के महामंत्री अधिवक्ता दिनेश गायकवाड़ ने किया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकजुटता का वातावरण बना रहा।

एक नजर

कर्मशील व्यक्ति हर परिस्थिति में अपने आपको ढाल लेता है : समयप्रभ

राजनांदगांव 22 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कर्मशील व्यक्ति हर परिस्थिति में अपने आपको ढाल लेता है। समूह कार्य क्षमता बढ़ाती है। परिवार एवं समूह में समर्पण का भाव होना चाहिए तभी वह टिके रह सकते हैं और उनकी कार्यक्षमता में विस्तार होता है। उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर के सुशिष्य समयप्रभ सागर ने व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि समयप्रभ सागर ने फ़रमाया कि एकांत महत्वपूर्ण है। साधु की साधना भी एकांत में ही होती है। एकांत में रहना आसान नहीं है। साधु एकांत में रहकर सोचते हैं कि हम अपने आप में तथा समाज में कैसे जागृति ला सकें। मुनिश्री ने कहा कि हम दुनिया के लिए इतना सोचते हैं, इतना कार्य करते हैं तो फ़िर अपनी आत्मा के लिए क्यों नहीं कर सकते। हम भी परमात्मा के प्रति समर्पित हैं। मुनि समयप्रभ ने कहा कि हमें अपनी आस्था के प्रति, धर्म के प्रति समर्पण का भाव रखना चाहिए। साधु समर्पण का प्रतीक है। मूल जितना मजबूत होगा साधना भी उतनी मजबूत होगी। हमें साधना तत्व को समझ कर आगे बढ़ना होगा। साधक दुख से नहीं घबराते और ना ही विपत्ति से घबराते हैं। वे उनका डटकर सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ते जाते हैं। वयक्ति के लिए वचन भी महत्वपूर्ण होता है। मीठे बोल स्फूर्ति देते हैं। अपने बोल मधुर रखिए और साधना पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहिए।

लखोली के दशहरा महोत्सव में शामिल हुए पूर्व सांसद अभिषेक सिंह



राजनांदगांव 22 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शहर के सबसे घनी आबादी वाले लखोली वार्ड में युवा संगठन के तत्वावधान में पिछले 18 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे दशहरा महोत्सव को उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक संस्था लोक सुधा कवर्धा के मंझे हुए कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर विशाल जनसमूह को बांधे रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अभिषेक सिंह थे। अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने की। विशेष अतिथि के रूप में दक्षिण मंडल अध्यक्ष गोलू गुप्ता, सुमीत भाटिया, रोहित चंद्राकर, समाजसेवी सागर चितलांग्या, डॉ. सौरभ मोहबे, वार्ड पार्षद गिरिजा निर्मलकर, संतोष साहू आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु रामचंद्र की भव्य शोभायात्रा के साथ हुई। शोभायात्रा लखोली के पांचों वार्ड के प्रमुख मार्गों से होकर स्कूल मैदान में परिवर्तित हुई। कार्यक्रम का कुशल संचालन संतोष निर्मलकर ने किया। इस महोत्सव को सफल बनाने में फ़िरोज मेमन, रविन्द्र रामटेके, नरेश साहू, छन्नू साहू, भानु मरकाम, भगवान दास सोनकर, श्रीराम साहू, सौरभ चौहान, शैलेन्द्र साहू, शकूर चौहान, तामेश्वर साहू, नरेंद्र सहारे, दीपक सेन, गुलाब साहू, वाजिद खान एवं देवव्रत लामा आदि का विशेष योगदान रहा।

चांपा की चारागाह जमीन को लेकर विवाद

राधे शक्ति स्पंज आयरन पर ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 22 अक्टूबर। ग्राम पंचायत चांपा की चारागाह एवं गौठान भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने राधे शक्ति स्पंज आयरन पर कथित फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन अपने नाम कराने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है।

कांग्रेस के पदाधिकारियों , सरपंच रामकली वर्मा, सचिव टेकराम वर्मा, पंचगण एवं ग्रामीणों सहित पूर्व सरपंच सुरेश वर्मा ने भूमि के राजस्व रिकॉर्ड, पटवारी प्रतिवेदन, कलेक्टर के आदेश और ग्राम पंचायत की एनओसी की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। विरोध प्रदर्शन में पहुंचे कांग्रेस नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी ने भी भूमि आवंटन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

उन्होंने ने आरोप लगाया कि शासन गांवों की जमीन को लेकर मनमानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विधायक राजस्व मंत्री हैं, इसके बावजूद गांवों की गोठान और सुरक्षित जमीन उद्योगपतियों को



आवंटित किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार के दौरान गांव में बड़े स्तर पर गोठान बनाया गया था और उसकी कुछ जमीन भी उद्योग के लिए दिए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरपंच स्वयं पंचायत की ओर से एनओसी जारी करने और प्रस्ताव पारित होने की जानकारी से इनकार कर रहे हैं, तो जमीन उद्योग के लिए कैसे आवंटित कर दी गई

बलदाऊ साहू /अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस ग्रामीण ने कहा की राधे शक्ति स्पंज आयरन को किसी भी हाल में चरागाह की जमीन को कब्ज़ा करने नहीं दिया जायेगा

ग्राम पंचायत चांपा के पूर्व सरपंच सुरेश वर्मा ने राधे शक्ति स्पंज आयरन पर फर्जी तरीके से पटवारी प्रतिवेदन बना कर कलेक्टर आदेश निकाल कर अपने नाम कर लिया है उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, भूमि के राजस्व अभिलेखों की जांच की जाए तथा यदि अतिक्रमण फर्जी दस्तावेज प्रमाणित होता है, तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए चारागाह भूमि को मुक्त कराया जाए। वही राधे शक्ति स्पंज आयरन प्रबंधन का कहना है की उनके द्वारा कोई भी अवैध अतिक्रमण नहीं किया जा रहा है शासन नियमतः उन्हें जमीन आबंटित किया गया है बलदाऊ साहू /अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस ग्रामीण, सरपंच रामकली वर्मा, सचिव टेकराम वर्मा, पंचगण एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि अनियमितता प्रमाणित होने पर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए और शासकीय चारागाह भूमि को सुरक्षित किया जाए। हालांकि, लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।कांग्रेस के पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायत चांपा की चारागाह एवं गौठान भूमि को किसी भी हाल में राधे शक्ति स्पंज आयरन को नहीं देने की बात कही है और जो भी इस फर्जी वाडा में दोषी पाया जाये उस पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

समाचार संक्षेप

राजनांदगांव में निगम की बिना अनुमति लगे होर्डिंग्स, फ्लैक्स व पोस्टर हटाए



■ संबंधित 10 विज्ञापनकर्ताओं को नोटिस जारी कर लगाये 10-10 हजार जुर्माना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 22 अक्टूबर। निगम सीमाक्षेत्रांतर्गत कतिपय विज्ञापन एजेंसियों/संस्थानों/ व्यक्तियों द्वारा प्रायः इस निकाय के बिना पूर्वानुमति एवं स्वीकृति के विज्ञापन हेतु बोर्ड/निजी भवनों के दीवाल एवं छत पर होर्डिंग्स बोर्ड/विद्युत पोलों में छोटे बोर्ड, बैनर पोस्टर एवं सार्वजनिक शौचालय/फ्लाई ओव्हर के पिल्हरों में अन्य प्रकार का विज्ञापन लगाया जाता है और कई लोगों द्वारा लगाया भी गया है, जो कि छ.ग. विज्ञापन पंजीयन एवं विनियमन उपविधि 2012 की कंडिका 9 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। जी.ई.रोड, फ्लाई ओव्हर के नीचे एवं शहर के विभिन्न स्थानो में बिना निगम की अनुमति के लगभग 10 विज्ञापनकर्ताओ द्वारा अपनी संस्था का विज्ञापन प्रकाशन किया गया है। जिसपर कार्यवाही करते हुए निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम के निर्देश पर प्रभारी अधिकारी ने संबंधितों को नोटिस जारी कर 10-10 हजार रूपये अर्थदण्ड आरोपित किया है।

नगर निगम द्वारा समय समय पर बिना अनुमति बेनर, पोस्टर, होडिंग्स लगाने पर नोटिस दिया जाता है, नोटिस उपरांत नही हटाने की स्थिति में जप्ती कर जुर्माना लगाया जाता है। सौदर्यीकरण की दिशा में फ्लाई ओव्हर के नीचे रंगाई पोताई किया गया है उक्त फ्लाई ओव्हर के अलावा निगम सीमाक्षेत्र के प्रमुख मार्गो पर कतिपय लोगो के द्वारा होडिंग्स, फ्लैक्स एवं पोस्टर लगाकर विज्ञापन प्रकाशन किया गया है। उन 10 विज्ञापनकर्ताओ को आयुक्त मरकाम के निर्देश पर अवैध रूप से विज्ञापन कर शासकीय संपत्ति का विरूपण करने तथा छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम की धारा 335 एवं संपत्ति विरूपण अधिनियम के उल्लंघन पर हटाने नोटिस जारी कर 10-10 हजार रूपये अर्थदण्ड अधिरोपित किया है।

कलेक्टर ने ग्राम सुंदरा में विभिन्न विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं का किया निरीक्षण



■ खसरों के भौतिक सत्यापन एवं पॉलिगन निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

■ श्रमिकों से मजदूरी भुगतान एवं महतारी वंदन योजना के लाभ के संबंध में की चर्चा

■ सिंथेटिक ट्रैक निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 22 अक्टूबर। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज सुबह राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुंदरा पहुंचकर विभिन्न विकास कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम में खसरों के भौतिक सत्यापन एवं पॉलिगन निर्माण के लिए किए जा रहे सर्वे कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने किसानों से चर्चा कर सर्वे कार्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित राजस्व अधिकारियों को सर्वे कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम सुंदरा में वीबी-जी राम योजना अंतर्गत संचालित कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यस्थल पर उपस्थित श्रमिक चंद्रकला एवं मनीषा से चर्चा कर मजदूरी भुगतान एवं महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि के उपयोग के संबंध में जानकारी ली। श्रमिकों ने बताया कि उन्हें कार्य के लिए प्रतिदिन 300 रूपए मजदूरी प्राप्त होती है। कलेक्टर ने श्रमिकों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिल रहे लाभ के संबंध में भी चर्चा की।

कलेक्टर ने ग्राम सुंदरा में निर्माणाधीन सिंथेटिक ट्रैक का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। कलेक्टर ने ग्रामीणों से भी निर्माण कार्य की निगरानी में सहयोग करने तथा गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सजग रहने की अपील की। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी उपस्थित थे।

ईडब्ल्यूएस लागू कराने और यूजीसी के विरोध में भिलाई में जुटेगी राजपूत करणी सेना

■ 23 अक्टूबर को राजनांदगांव से निकलेगी सवर्ण न्याय यात्रा कमला कॉलेज चौक पर दोपहर 12 बजे एकत्रित होंगे पदाधिकारी और समर्थक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 22 अक्टूबर। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) से जुड़े प्रावधानों को छत्तीसगढ़ में लागू कराने और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के विवादित प्रावधानों के विरोध में राजपूत करणी सेना ने आंदोलन का ऐलान किया है। 23 अक्टूबर, शुक्रवार को भिलाई के सिविक सेंटर में आयोजित होने वाले स्वर्ण न्याय यात्रा आंदोलन में शामिल होने के लिए राजनांदगांव से भी पदाधिकारी और कार्यकर्ता रवाना होंगे। इसके लिए दोपहर 12 बजे कमला कॉलेज चौक पर एकत्रित होकर भिलाई के लिए प्रस्थान करने की अपील की गई है।



राजपूत करणी सेना (कालवी विचारधारा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय बहादुर सिंह ने समाज के लोगों और समर्थकों से आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस से जुड़े प्रावधानों को लागू कराने और यूजीसी के उस प्रावधान के विरोध में आवाज उठाने के लिए एकजुटता जरूरी है, जिस पर फ़िलहाल सुप्रीम कोर्ट की रोक होने की बात कही जा रही है।

संजय बहादुर सिंह ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मिलने वाले लाभ सुनिश्चित कराने के लिए सरकार पर दबाव बनाना आवश्यक है। उनका कहना है कि यदि लोग अपने अधिकारों के लिए समय रहते आवाज नहीं उठाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

यूजीसी के मुद्दे पर उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए इसे विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा विषय बताया। उन्होंने समर्थकों से अपील की कि किसी भी व्यवस्था में यदि उन्हें अन्याय नजर आता है तो उसके खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाएं। उनके अनुसार, यह आंदोलन केवल किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि शिक्षा और समान अवसरों से जुड़े सवालों पर अपनी बात रखने का प्रयास है।

पुलिस स्मृति दिवस पर 154 शहीद जवानों की दी श्रद्धांजलि



■ शहीद परिवारों का सम्मान कर पुलिस ने व्यक्त किया कृतज्ञता का भाव'

■ कर्तव्यपथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों का त्याग सदैव रहेगा अविस्मरणीय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 22 अक्टूबर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राजनांदगांव पुलिस द्वारा देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं आम नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर 'पुलिस महानिरीक्षक अजय कुमार यादव' पुलिस अधीक्षक खैरागढ़ छुईखड़ान गंडई लक्ष्य शर्मा एवं 'पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, द्वारा शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया। साथ ही शहीद परिवारों को साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके प्रति सम्मान, संवेदना एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर राजनांदगांव जिले के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान शहीद जवानों के अद्वितीय साहस, समर्पण और राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण किया गया। शहीदों का बलिदान पुलिस बल के प्रत्येक जवान के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका त्याग हमें यह संदेश देता है कि कर्तव्य, साहस और जनसेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। राजनांदगांव पुलिस शहीद जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनशीलता एवं सम्मान व्यक्त करती है। राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राजनांदगांव पुलिस का संकल्प है कि शहीदों के आदर्शों पर चलते हुए जनसेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति सदैव समर्पित रहेंगे।

मुख्यमंत्री साय भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में हुए शामिल

गुरु घासीदास के बताये मार्ग पर आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री

रायपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज आरंग विकासखंड स्थित सतनाम पंथ की आस्था के प्रमुख केंद्र भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरुगद्दी आसन के दर्शन कर नमन किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 29 करोड़ रुपए की लागत के तीन महत्वपूर्ण सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी ने सत्य, अहिंसा, करुणा, समानता और सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया, वह संपूर्ण मानव समाज के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेगा। बाबा गुरु घासीदास जी का अमर संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' हमें भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

■ चार विकास कार्यों की घोषणा, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद से 40 स्थानों पर स्थापित किए जाएंगे लकड़ी के जैतखाम

■ मुख्यमंत्री ने लगभग 29 करोड़ के तीन सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

■ सतनामी समाज व सभी वर्गों के सम्मान, सशक्तीकरण और चहुंमुखी विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : साय



मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की पावन कर्मभूमि भण्डारपुरी धाम सतनाम पंथ की आस्था के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला हमारी आस्था, सामाजिक एकता और सद्भाव की गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार बाबा गुरु घासीदास जी के बताए सत्य, करुणा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास की यात्रा में कोई भी समाज, वर्ग अथवा क्षेत्र पीछे न रहे, इसी भावना के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतनामी समाज की शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। समाज के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली स्थित कोचिंग संस्था में सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 की गई है। उन्होंने भण्डारपुरी में मोती महल के भूमिपूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़े स्थलों के विकास एवं संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के इस संकल्प को साकार करने के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारा लक्ष्य है। उन्होंने सभी से बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सामाजिक सद्भाव और समरसता को मजबूत करने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कुल 28 करोड़ 96 लाख 82 हजार रुपए की लागत के तीन सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 8 करोड़ 31 लाख 5 हजार रुपए की लागत से मोहंदी-अड़सेना मार्ग के 4 किलोमीटर हिस्से का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण और 3 करोड़ 30 लाख 78 हजार रुपए की लागत से नरदहा में 2 किलोमीटर लंबे आंतरिक मार्ग का निर्माण शामिल है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने 17 करोड़ 34 लाख 99 हजार रुपए की लागत से 29 किलोमीटर लंबे छतौना-दरबा-कूटेसर-बड़गांव-कुंडा-नारा-लखौली मार्ग के डामर नवीनीकरण कार्य का भूमिपूजन किया।

प्राकृतिक उत्पादों से बनी विशाल रंगोली रही आकर्षण का केंद्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 22 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन बुधवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार मे किया गया। इसके तहत पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान बलौदाबाजार मे आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्बोधन कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण को एलईडी टीवी के माध्यम से देखा गया।

इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियो एवं नागरिकों ने विकसित भारत का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, डॉ.सनम जांगड़े, प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, जिला अध्यक्ष आनंद यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष सुमन वर्मा उपस्थित थे। सभा के उपरांत सेवा ज्योति कलश यात्रा हेतु ज्योति रथ मे ज्योत प्रवलित कर सेवा ज्योति कलश यात्रा प्रारम्भ किया गया।

सेवा ज्योति कलश यात्रा पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान से प्रारम्भ होकर दशहरा मैदान मे सम्पन्न हुआ।यात्रा मे हजारों की संख्या मे लोग शामिल हुए और भारत माता की जय, विकसित भारत, आत्म निर्भर भारत की जय घोष से पूरा यात्रा गुंजायमान रहा। पंडित चक्रपाणी शुक्ल मैदान मे कॉलेज की छात्राओं के द्वारा प्राकृतिक उत्पाद जैसे धान, फूल, पत्ते और आटे का उपयोग कर बहुत सुंदर एक विशाल रंगोली का निर्माण किया गया। यह विशाल और सुंदर रंगोली लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया था।



कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26